दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क
www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak
वर्ष: 3 | अंक: 88 जयपुर, गुरुवार, 07 मार्च, 2024 | फाल्गुन, कृष्ण पक्ष- द्वादशी, विसं 2080 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

पीएम नरेंद्र मोदी ने हुगली नदी के नीचे चलने वाली देश की बहुप्रतीक्षित पहली मेट्रो को किया राष्ट्र को समर्पित

कोलकाता में पानी के नीचे दौड़ी मेट्रो, नदी में बनाई गई दो सुरंग

एजेंसी। कोलकाता

भारत की पहली अंडरवाटर मेट्रो कोलकाता में शुरू हो गई है। कई सालों की कड़ी मेहनत के बाद कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की टीम ने ये उपलब्धि हासिल की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंडरवॉटर मेट्रो का उद्घाटन किया। यह मेट्रो लाइन पूर्व और पश्चिम कोलकाता को आपस में जोड़ती है।

हुगली नदी के नीचे सुरंग बनाने के लिए कोलकाता मेट्रो की टीम ने दिन-रात काम किया, तब जाकर भारत को पहली अंडरवाटर मेट्रो का गौरव प्राप्त हुआ। भारत में यह पहली अंडरवाटर मेट्रो परियोजना है, जिसमें हुगली नदी के नीचे अप व डाउन लाइन के लिए दो सुरंगें (टनल) तैयार की गई है। पानी के नीचे बनी 520 मीटर लंबी इन सुरंगों में मेट्रो दौड़ेगी, जिसका अब लोग आनंद उठा सकेंगे। 4.8 किमी लंबी हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड भूमिगत मेट्रो खंड का यह हिस्सा है।

मोदी-मोदी के नारे लगे

पीएम ने पहली अंडरवाटर मेट्रो ट्रेन में यात्रा करते हुए मेट्रो कर्मचारियों और इस परियोजना के निर्माण से जुड़े श्रमिकों व इंजीनियरों के साथ बातचीत भी की। एस्प्लेनेड मेट्रो स्टेशन पर पीएम मोदी को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ी थी। लोगों ने मोदी- मोदी के नारे भी लगाए।

आमंत्रण पर भी नहीं आईं ममता बनर्जी

इस मौके पर बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। हालांकि आमंत्रण के बावजूद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समारोह में शामिल नहीं हुईं। उद्घाटन के बाद पीएम ने पहली अंडरवाटर मेट्रो में सवार होकर एस्प्लेनेड से हावड़ा मैदान तक यात्रा भी की। इस दौरान उन्होंने मेट्रो में छात्रों के साथ संवाद भी किया।

जलस्तर से 13 मीटर नीचे दो सुरंग

हुगली नदी के नीचे जलस्तर से 13 मीटर नीचे दो सुरंग बनाई गई हैं। पानी के नीचे सुरंग बनाना सबसे मुश्किल काम था। यह मेट्रो हावड़ा को कोलकाता शहर से जोड़ेगी। मेट्रो को सुरंग के जरिए नदी पार करने में एक मिनट से भी कम समय लगेगा। नदी तल वाले मेट्रो रूट में नीली बत्तियां लगाई गई हैं, ताकि ट्रेन में सवार लोगों को इस बात का पता चल सके कि वे नदी के नीचे से गुजर रहे हैं। अप्रैल, 2016 से हावड़ा वाले छोर से सुरंग के निर्माण का काम शुरू हुआ था।

120 साल तक नहीं होगी दिक्कत

इन सुरंगों का डिजाइन व निर्माण इस प्रकार किया गया है कि अगले 120 साल तक इससे होकर मेट्रो को दौड़ने में कोई दिक्कत नहीं होगी। हावड़ा मैदान-एस्प्लेनेड खंड साल्टलेक सेक्टर-5 से हावड़ा मैदान को जोड़ने वाली 16.5 किमी लंबी ईस्ट वेस्ट मेट्रो प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इसमें साल्टलेक सेक्टर-5 से सियालदह तक मेट्रो सेवा पहले ही शुरू हो चुकी है। वहीं, सियालदह से एस्प्लेनेड के बीच बहुबाजार के मकानों में दरार आने के कारण उसके बीच काम पूरा नहीं हो पाया है।

जरूरी खबर

सच बेधड़क लगातार दूसरी बार PPL के फाइनल में

जयपुर। प्रेस प्रीमियर लीग-2024 में सच बेधड़क का जीत जारी है। अपने शानदार प्रदर्शन के बल पर टीम फाइनल में प्रवेश कर गई। अब गुरुवार को फाइनल मैच सच बेधड़क और फर्स्ट इंडिया ब्लू के बीच सुबह 10 बजे से केएल सैनी स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले बुधवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में सच बेधड़क ने सियासी भारत की टीम को 9 विकट से शिकस्त देकर फाइनल में प्रवेश किया। गौरतलब है कि प्रेस प्रीमियर लीग-2023 में भी सच बेधड़क फाइनल में पहुंची थी।
(विस्तृत समाचार पेज 9 पर)

सीएम भजनलाल शर्मा हुए कोरोना पॉजिटिव

जयपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। सीएम ने खुद पोस्ट कर यह जानकारी दी है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि स्वास्थ्य समस्या के चलते परीक्षण करवाने पर मेरी कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसलिए सेल्फ आइसोलेशन में हूं और चिकित्सकों के परामर्श का पूर्णतः पालन कर रहा हूं। आगामी सभी कार्यक्रमों में वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित रहूंगा।

SI भर्ती परीक्षा पेपर लीक में SOG का बड़ा खुलासा

पेपर की खातिर स्ट्रांग रूम में दो घंटे छिपा बैठा रहा भांबू

बेधड़क। जयपुर

आरपीएससी द्वारा वर्ष 2021 में आयोजित सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने की कहानी किसी फिल्म से कम नहीं है। नकल माफिया और उनसे जुड़े लोगों ने पेपर लीक करने में अलग-अलग किरदार निभाए हैं। इस कहानी का रचियता पेपर लीक का मास्टर माइंड जगदीश बिश्नोई था। जो 15 सालों से आरपीएससी व कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित होने वाले भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करने, नकल कराने और डमी अभ्यर्थी बैठाने में एक्सपर्ट है, जबकि शांति नगर हसनपुरा स्थित रवींद्र बाल भारती सीनियर सेकंडरी स्कूल केंद्राधीक्षक राजेश खंडेलवाल ने पेपर लीक करने के लिए एक्सपर्ट यूनिक भांबू उर्फ पंकज चौधरी को स्ट्रांग रूम में छुपाकर एक बड़े किरदार की भूमिका निभाई।

दो घंटे पहले सेंटर पर जैसे ही पेपर आया तो यूनिक ने लिफाफे के चीरा लगाकर पेपर बाहर निकाला और फिर मोबाइल से फोटो लेकर पेपर व्हाट्सएप पर जगदीश बिश्नोई को भेज दिया। इसके बाद जगदीश बिश्नोई ने सौदाकर दो अन्य गैंग के व्हाट्सएप पर पेपर भेज दिया। इसके बाद तीनों गैंग ने अभ्यर्थियों को पेपर सॉल्वड करके तो कुछ अभ्यर्थियों की जगह पर डमी अभ्यर्थी बैठा दिए, जिनका परीक्षा में चयन हो गया।

देरी से पहुंचा तो नहीं कर पाए पेपर लीक, *अगले दिन दो घंटे पहले आया तो कर डाला आउट*

पेपर लीक कर थानेदार बने आरोपियों को ठोका

पुलिस सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 का पेपर लीक कर थानेदार बने 14 आरोपियों को बुधवार को जयपुर में कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने सभी आरोपी ट्रेनी थानेदारों को 6 दिन के रिमांड पर एसओजी को सौंप दिया। इस दौरान वहां जमकर हंगामा हो गया। आरोपियों को देखते ही वकीलों का गुस्सा फूट पड़ा और वे पेशी पर लाए गए ट्रेनी थानेदारों पर टूट पड़े। वहां पुलिस ने बमुश्किल उनको बचाया। हंगामे के बाद आरोपी ट्रेनी थानेदारों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में वहां से वापस ले जाया गया।

एडीजी वीके सिंह का अहम किरदार

इस मामले में हीरो का किरदार एडीजी वीके सिंह ने निभाया। जिनको मुख्यमंत्री ने एसआईटी का प्रभारी बनाया। वीके सिंह जेईएन भर्ती परीक्षा का पेपर लीक करने वाले हर्षवर्धन मीणा, राजेंद्र, राजू यादव, शिवरतन समेत अन्य को गिरफ्तार किया और नकल माफिया जगदीश बिश्नोई का नाम आया तो एसओजी को अहम सुराग मिले। इसके बाद एसओजी ने जगदीश बिश्नोई को गिरफ्तार किया तो एसआई भर्ती परीक्षा का पेपर भी लीक होने का खुलासा हुआ।

एग्जाम का सेंटर आया तो बनाया प्लान

आरपीएससी ने राजस्थान पुलिस में उप निरीक्षक/प्लाटून कमांडर भर्ती करने संबंधी विज्ञप्ति 2021 में प्रकाशित की। 13 से 15 सितंबर 2021 तक एग्जाम होना था। एक पेपर सुबह की पारी में 10 से 12 बजे तक और दूसरा पेपर दोपहर 3 से शाम 5 बजे तक होना था। रवींद्र बाल भारती स्कूल में भी एग्जाम का सेंटर था। ये पता चलते ही जगदीश बिश्नोई ने यूनिक भांबू, शिवरतन मोट और राजेश खंडेलवाल से मिलकर पेपर लीक का प्लान बनाया। पहला पेपर सेंटर पर देरी से आया तो स्ट्रांग रूम में छीपे यूनिक और बाहर निगरानी में लगाए गए शिवरतन पेपर लीक नहीं कर पाए थे।

ट्रेनी एसआई के पिता नागौर में डीएसपी

जांच में सामने आया कि अब तक जिन प्रशिक्षु उप निरीक्षक की गिरफ्तारी हुई है, उनमें नागौर के पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश गोदारा का बेटा भी है। गिरफ्तार एसआई करणपाल गोदारा की 22वीं रैंक थी। बेटे की गिरफ्तारी के दिन से ओमप्रकाश अवकाश पर है।

फिर दूसरा-तीसरा पेपर किया लीक

14 और 15 सितंबर को प्लानिंग के तहत यूनिक स्कूल में आचार्य के ऑफिस में बने छोटे कमरे में छिप गया। एग्जाम से डेढ़-दो घंटे पहले पेपर सेंटर पर पहुंचे। पेपर आचार्य के ऑफिस में रखकर सील कर दिया गया। कमरा सील होने के बाद यूनिक ने पैकेट के चीरा लगाकर पेपर निकाला और उसकी फोटो जगदीश बिश्नोई को भेज दी। इसके बाद पैकेट को बंद कर दिया। जब पेपर अभ्यर्थियों को दिए जा चुके थे। तब यूनिक भांबू को राजेश खंडेलवाल ने आचार्य के कमरे से बाहर निकाला।

अभी तक 21 जने पुलिस गिरफ्त से दूर

भांबू उर्फ पंकज चौधरी, सुरेश ढाका, कमलेश मीना, अरुण शर्मा, सुनील, महेंद्र, सुनील भादू, कमलेश ढाका, सुरेश साहू, दिनेश सारन, अभय सिंह, मनोहर लाल, मनोहर सिंह, भगवती विश्नोई, प्रवीण विश्नोई, रिंकू, स्वरुप मीना, सिद्धार्थ यादव, भूपेंद्र सारण, अनिल कुमार मीना और गणपत लाल बिश्नोई के खिलाफ भी पेपर लीक मामले में एफआईआर दर्ज की गई है।

किडनैपिंग और रंगदारी मामले में सुनाई गई सजा

50 हजार का जुर्माना भी लगाया

पूर्व सांसद धनंजय सिंह को सात साल की कैद

एजेंसी। जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर से सांसद रहे धनंजय सिंह को न्यायालय ने अपहरण मामले में दोषी पाया है। कोर्ट ने उन्हें सात साल की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। धनंजय सिंह पूर्वांचल के बाहुबली नेता हैं। बहुजन समाज पार्टी के सिंबल पर 2009 में सांसद निर्वाचित हुए थे। इससे पहले दो बार विधायक भी रहे। 2020 में नमामि गंगे प्रोजेक्ट मैनेजर के अपहरण में उनका नाम आया था। अपर सत्र न्यायाधीश शरद त्रिपाठी की बेंच ने पूर्व सांसद धनंजय सिंह और उसके साथी संतोष विक्रम को किडनैपिंग और रंगदारी मामले में मंगलवार को दोषी ठहराया था।

2020 का है मामला

धनंजय सिंह को जिस मामले में सजा सुनाई गई है। वह मामला 10 मई, 2020 का है। इस मामले में नमामि गंगे के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल निवासी मुजफ्फरनगर ने लाइन बाजार थाने में अपहरण, रंगदारी और अन्य धाराओं के तहत धनंजय सिंह और उनके साथी संतोष विक्रम पर एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें कहा था कि संतोष विक्रम ने दो साथियों के साथ अपहरण कर धनंजय के आवास पर ले गया। उसने बताया था कि धनंजय सिंह पिस्टल लेकर आए और गन पॉइंट पर गालियां खूब गालियां दी।

इस केस में 109 दिन जेल में रह चुके धनंजय

धनंजय सिंह ने मैनेजर से कहा कि सड़क में कम गुणवत्ता वाली सामग्री लगाओ, लेकिन उसने इनकार कर दिया। इसके बदले उन्होंने रंगदारी मांगी और डराया-धमकाया। हालांकि कुछ ही दिन में धनंजय सिंह पर केस दर्ज कराने वाला शपथ पत्र देकर मुकर गया। उसने तनाव में आकर केस दर्ज कराने की बात कही थी। इस मामले में धनंजय 109 जेल में भी रहे। धनंजय सिंह ने कोर्ट में जज के सामने कहा कि इस मामले में निर्दोष हूं। प्रोजेक्ट का मैनेजर भी अपने बयान से मुकर चुका है।

बेंगलुरु ब्लास्ट के आरोपी पर दस लाख का इनाम घोषित, NIA ने जारी की तस्वीर

एजेंसी। बेंगलुरु

बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे में आईईडी बम रखने वाले शख्स पर एनआईए ने 10 लाख रुपए का इनाम घोषित किया है। यह कम तीव्रता वाला आईईडी ब्लास्ट था, जिसमें कैफे में बैठे 10 लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए थे। एनआईए ने आरोपी का एक स्केच तैयार किया है और उसके नाम के पोस्टर जारी किए हैं। वॉन्टेड के पोस्ट के साथ एनआईए ने घोषित किया है कि उसकी जानकारी देने वाले को 10 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। इसके अलावा सूचना देने वाले की पहचान भी उजागर नहीं की जाएगी। एनआईए ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ही उसका एक स्केच तैयार किया है और उसकी तस्वीर जारी की गई है।

क्या है मामला

बेंगलुरु के इस चर्चित कैफे में 1 मार्च को ब्लास्ट हुआ था। इस धमाके में 10 लोग जख्मी हो गए थे। सीसीटीवी फुटेज से खुलासा हुआ कि धमाके से करीब एक घंटे पहले एक युवक कैफे में आया था। वह कुछ ही मिनट वहां ठहरा और फिर एक बैग छोड़कर निकल गया।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार

जिम कॉर्बेट में पेड़ों की कटाई पर SC की सख्ती, टाइगर सफारी पर रोक

- ब्यूरोक्रेट और नेताओं ने भरोसे के सिद्धांत को डस्टबिन में डाला
- पूर्व वन मंत्री रावत, पूर्व वन अधिकारी को कोर्ट ने लगाई फटकार
- बाघ संरक्षण के लिए कई निर्देश जारी करते हुए कोर क्षेत्र में सफारी पर लगाई रोक

एजेंसी। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत और डीएफओ किशन चंद को कड़ी फटकार लगाई है। मामला जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में हजारों पेड़ काटने और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। सर्वोच्च अदालत ने हैरानी जताते हुए कहा कि वह पूर्व मंत्री रावत और डीएफओ के दुस्साहस से आश्चर्यचकित हैं। अब अदालत खुद मामले में सीबीआई जांच की निगरानी करेगी। इसके साथ ही कोर्ट ने सीबीआई को 3 महीने में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया है। वहीं कोर्ट ने बाघ संरक्षण के लिए कई निर्देश जारी करते हुए कोर क्षेत्र में सफारी पर रोक लगा दी है। हालांकि परिधीय और बफर क्षेत्रों में इसकी अनुमति दी गई है।

जंगलों पर रहना चाहिए बाघों का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बाघ जंगलों की रक्षा करते हैं। बाघ के बिना जंगल नष्ट हो जाते हैं, इसलिए जंगलों पर बाघों का अधिकार रहना चाहिए। जस्टिस बीआर गवई ने अपने फैसले में कहा कि अपवित्र राजनीतिक-नौकरशाह गठजोड़ ने वन और पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया है। राज्य को नुकसान की लागत का अनुमान लगाना चाहिए और पारिस्थितिकी को नुकसान पहुंचाने के दोषियों से इसकी वसूली करनी चाहिए। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने हजारों पेड़ों की कटाई की अनुमति देकर जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व को नुकसान पहुंचाने के लिए उत्तराखंड के पूर्व वन मंत्री हरक सिंह रावत और डीएफओ किशन चंद को कड़ी फटकार लगाई।

अवैध कटाई को नहीं कर सकते नजरअंदाज

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आंकड़ों से पता चलता है कि बाघों के शिकार में काफी कमी आई है, लेकिन जमीनी हकीकत को नकारा नहीं जा सकता। जिम कॉर्बेट में पेड़ों की अवैध कटाई को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चंद्र प्रकाश गोयल, सुमित सिन्हा और एक अन्य शख्स को बाघ अभयारण्यों के अधिक कुशल प्रबंधन के लिए सुझाव देने के लिए नियुक्त किया गया है। अदालत ने कहा कि पाखरू में पहले से चल रही सफारी को रोका नहीं जाएगा, लेकिन उत्तराखंड में एक बाघ बचाव केंद्र स्थापित किया जाएगा।

सीबीआई जिम्मेदार लोगों की पहचान करे

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मामले की जांच सीबीआई कर रही है ऐसे में किसी भी तरह की टिप्पणी सही नहीं है। सीबीआई जिम्मेदार लोगों की पहचान के लिए जांच कर रही है। कानून अपना काम करेगी। कोर्ट ने कहा कि राज्य को वन्यजीव को हुए हानि को ठीक करने की जिम्मेदारी से बचना नहीं चाहिए। भविष्य में ऐसे कृत्य को रोकने के अलावा राज्य को हानि की भरपाई के लिए तत्काल कदम उठाने होंगे। इसे तय करने के लिए एक आकलन की जरूरत है ताकि नुकसान का मूल्यांकन हो और जिम्मेदार लोगों से उसे वसूल किया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह सब जानते हैं कि जंगल में बाघ का होना अच्छे इको सिस्टम होने का संकेत है। हमारे सामने जो आंकड़े हैं उससे साफ है कि देश में बाघों के शिकार में कमी आई है। और बाघों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

जरूरी खबर

साइबर चुनौतियों को हल करने में मिलेगी मदद

बेधड़क.जयपुर। सीडीटीआई परिसर में चल रहे इंडियन रेवेन्यू सर्विस के अधिकारियों के 77वें बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह बुधवार को आईआईटी जोधपुर के निदेशक प्रो. शांतनु चौधरी के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर सीडीटीआई निदेशक डॉ. अमनदीप सिंह कपूर एवं प्रो. चौधरी के मध्य साझा मुद्दों में आदान-प्रदान को लेकर एमओयू हुआ। इससे दोनों संस्थाओं के बीच तकनीक, प्रशिक्षण, शोध, परामर्श एवं शैक्षणिक योग्यता के आदान-प्रदान के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा एनालिसिस, साईबर सुरक्षा, वैश्विक प्रौद्योगिकी सूचना तंत्र इत्यादि के बारे में जानकारियों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

महिला दिवस पर होगी खेलकूद प्रतियोगिता

बेधड़क.जयपुर। अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर 8 मार्च को सुबह 11 बजे अभिव्यक्ति वेलफेयर सोसाइटी की ओर से गरीब परिवारों की महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। भारत की अभिव्यक्ति-नारी कार्यक्रम के तहत यह आयोजन कच्ची बस्ती, प्रतापनगर में होगा। इसमें बस्ती की महिलाओं की अनेक प्रतियोगिता होंगी। इसमें विजेता महिलाओं को पुरस्कार भी दिए जाएंगे। अभिव्यक्ति वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष संगीता गौड़ ने बताया कि इस आयोजन का उदेश्य पिछड़े वर्ग की महिलाओं में आत्मविश्वास की भावना जगाना और उन्हें आगे बढ़ाना है।

आचार्य सुनील सागर का विहार जयपुर की ओर

बेधड़क.जयपुर। आचार्य सुनील सागर ससंघ का विहार कामां से श्रीमहावीर जी होते हुए जयपुर के लिए चल रहा है। बुधवार को नगर में मंगल प्रवेश हुआ तथा गुरुवार को कठूमर होते हुए आचार्यश्री का विहार होगा। उनके साथ विहार में धर्म जागृति संस्थान के संयुक्त महामंत्री संजय बडजात्या, पुष्पेंद्र जैन आदि साथ चल रहे है। संतों को राज्य सरकार की और से पुलिस प्रोटोकॉल भी बराबर उपलब्ध कराया जा रहा है। संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने इस सुरक्षा व्यवस्था के लिए राज्य सरकार व पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने कानोता में महिला शक्ति वंदन कार्यक्रम को किया संबोधित

भारत में अनादिकाल से नारी का है पूजनीय स्थान: देवनानी

बेधड़क | जयपुर

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि महिलाएं राष्ट्र की समृद्ध संस्कृति की वाहक है। भारत की महिलाएं कर्मठ, मेहनती और निष्ठावान है। भारत ऐसा राष्ट्र है जहां नारी की पूजा होती है। पुरातन काल से भारत में नारी को पूजनीय स्थान दिया गया है।

देवनानी बुधवार को कानोता में राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद के तत्वावधान में आयोजित नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। कानोता में आयोजित शक्ति वंदन समापन कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्चुअल संबोधन को सुना। देवनानी ने नारी शक्ति का वंदन और अभिनंदन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम के रचयिता हैं। उन्होंने नारी की पीड़ा को समझा है। नारी को सशक्त करने के लिए केंद्र सरकार ने बहुआयामी स्तर पर कदम बढाए हैं। उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर उपलब्ध कराकर प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब और ग्रामीण महिलाओं को मजबूत किया है। देवनानी ने कहा कि राजीविका के तहत प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बना दिया है। महिलाओं को अब अपनी जरूरतों के लिए किसी पर निर्भर रहने कि आवश्यता नहीं है। अब नारी अपनी प्रतिभा के बलबूते स्वरोजगार और स्टार्टअप आरंभ कर रही है। अब गांव-गांव में महिलाएं बैंकों से ऋण लेकर अपना कारोबार आरंभ कर रही है। नारी अब स्वयं के सशक्त होने के साथ परिवार समाज और राष्ट्र को सशक्त करने में अपनी बेहतरीन और सक्रिय भूमिका निभा रही है।

महिलाएं राजनीतिक रूप से हुईं मजबूत

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि महिलाओं का उत्साह नारी शक्ति की पहचान है। प्रधानमंत्री की प्रबल इच्छा का ही परिणाम है कि आज महिला शक्ति राजनीतिक रूप से भी सशक्त हुई है। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपनी प्रतिभा को निखारें, राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं और स्वतंत्र, सशक्त और आर्थिक रूप से मजबूत बनें। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने मर्म चिकित्सा विज्ञान पुस्तक का विमोचन किया। इस मौके पर पुस्तक के लेखक डॉ. पीयूष त्रिवेदी, शिव लहरी, नीरज कुमावत, राकेश रावत और प्रमोद शर्मा मौजूद थे।

हुनर को बनाया आत्मनिर्भरता का साधन

कार्यक्रम में कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने कहा कि आज आयोजित नारी वंदन कार्यक्रम महती सभा है। महिलाओं ने अपने हुनर को पहचाना है। अब हुनरमंद महिलाओं ने अपने हुनर को आनिर्भरता का संसाधन बना लिया है। समारोह को जिला प्रमुख रमा चौपडा, मोती लाल मीणा ने भी संबोधित किया।

आभार सभा को सीएम भजनलाल ने वर्चुअली किया संबोधित

संतों के जीवन की प्रेरणा से होता है हमारी प्रगति का मार्ग प्रशस्त

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संत-महात्माओं के आदर्श जीवन से प्रेरणा पाकर हमारी प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म और संस्कृति को बढ़ावा देने में संत समाज की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। सरकार गोवंश के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है तथा पशुधन के कल्याण के लिए राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं का संचालन कर पशुपालकों को लाभान्वित कर रही है।

सीएम शर्मा बुधवार को संत समाज-गोभक्तों की आभार सभा को वर्चुअल माध्यम से ओटीएस स्थित मुख्यमंत्री निवास से संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में आए साधु-संतों ने गोमाता के हितों के लिए किए गए निर्णयों, ईआरसीपी तथा यमुना जल समझौते के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। इस दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने ढाई माह के अल्प कार्यकाल में पानी की समस्या को दूर करने के लिए प्राथमिकता से कार्य किया है।

पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना तथा शेखावटी क्षेत्र के लिए ताजेवाला हेडवर्क्स के ऐतिहासिक एमओयू से इन क्षेत्रों में पेयजल एवं सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही, उदयपुर में देवास बांध परियोजना तृतीय एवं चतुर्थ के माध्यम से दक्षिण राजस्थान में भी जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इस अवसर पर संत-महात्माओं को श्रीफल भेंट शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। समारोह में गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत, सांसद सी.पी. जोशी, सुमेधानंद सरस्वती, विधायक बालमुकुंदाचार्य, रेवासा धाम के राघवाचार्य महाराज, संत गोविंद वल्लभ महाराज, रघुनाथ भारती सहित बड़ी संख्या में साधु-संत उपस्थित रहे।

■ संत समाज ने ईआरसीपी तथा यमुना जल समझौते के लिए सीएम का किया अभिवादन

मोबाइल वेटरनरी यूनिट से पशुओं का इलाज

सीएम शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा गोवंश संरक्षण के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ की गई है। इसके तहत पशुपालकों को 1 लाख रुपए तक ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। सरकार की ओर से पशुधन के लिए मोबाइल वेटरनरी यूनिट की भी शुरूआत की गई है। इन यूनिट्स के माध्यम से पशुओं को समय पर चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद राज्य सरकार की ओर से बस, ट्रेन तथा हवाईजहाज से दर्शन की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जा रही है। कार्यक्रम में बुधगिरी मढ़ी (फतेहपुर शेखावाटी) के पीठाधीश्वर एवं गोसेवा समिति के अध्यक्ष दिनेश गिरी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म संस्कृति तथा गोसेवा संरक्षण के लिए राज्य सरकार अग्रणी भूमिका निभा रही है।

नारी के उत्थान के लिए कृत संकल्पित

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्र और राज्य सरकार नारी शक्ति के उत्थान के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 बरसों में महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने के लिए केन्द्र सरकार ने कई योजनाएं चलाई हैं। शर्मा बुधवार को देशव्यापी शक्ति वंदन अभियान के समापन के अवसर पर जयपुर में आयोजित समारोह को वर्चुअल रूप से सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह अभियान एक करोड़ स्वयं सहायता समूहों से सम्पर्क स्थापित कर 10 करोड़ से अधिक महिलाओं को प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत संकल्प से जोड़ने के लिए चलाया गया है। समारोह में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड, स्वायत्त शासन राज्यमंत्री झाबर सिंह खर्रा, सांसद सी.पी. जोशी, जयपुर ग्रेटर नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर, जयपुर जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित सहित जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

11 लाख महिलाएं बनेंगी लखपति दीदी

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाओं में कौशल विकास कर उनकी सालाना आमदनी एक लाख रुपए की जाएगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने देश की 3 करोड़ से अधिक महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। राजस्थान में भी इस योजना पर तेज गति से कार्य चल रहा है। राज्य सरकार ने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रदेश की 11 लाख 24 हजार महिलाओं को अगले तीन वर्षों में चरणबद्ध रूप से लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य तय किया है। इनमें से 2.80 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी की श्रेणी में आ चुकी हैं। केन्द्र सरकार की पहल पर संसद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया है।

चिकित्सा मंत्री के निर्देश के बाद...

नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर नकेल के लिए ताबड़तोड़ कार्रवाई

बेधड़क | जयपुर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह के निर्देशों पर प्रदेशभर में नशीली दवाओं के अवैध कारोबार एवं दुरूपयोग रोकने के लिए 4 मार्च से शुरू किए गए अभियान के तहत ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। यह अभियान 18 मार्च तक चलेगा। इसके तहत सहायक औषधि नियंत्रकों की देखरेख में औषधि नियंत्रण अधिकारी नशे के कारोबार में लिप्त दवा विक्रेताओं की गहनता से जांच कर कार्रवाई कर रहे हैं।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में युवा पीढ़ी को नशे की लत से बचाने के लिए नशीली दवाओं के अवैध कारोबार पर प्रभावी रोकथाम के लिए सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसी के दृष्टिगत चिकित्सा मंत्री के निर्देशानुसार 15 दिवसीय अभियान चलाया गया है। अभियान के तहत बीकानेर, श्रीगंगानगर एवं हनुमानगढ़ जिलों में करीब 35 लाख रुपए की औषधियों के स्टॉक को जब्त किया गया है तथा 59 औषधि विक्रेताओं के लाइसेंस निलम्बित, 2 औषधि विक्रेताओं के लाइसेंस निरस्त एवं 32 औषधि विक्रेताओं से एनडीपीएस घटकयुक्त औषधियों के बेचान की अनुमति को प्रत्याहारित किया गया है। अभियान के प्रथम चरण में 200 दवा विक्रेता फर्मों का निरीक्षण किया गया। इनमें से 33 दवा दुकानों पर फार्मासिस्ट अनुपस्थित मिले तथा 112 दवा विक्रेताओं के द्वारा एनडीपीएस घटकयुक्त औषधियों के विक्रय बिल प्रस्तुत नहीं किए गए।

जोधपुर के औषधि नियंत्रण अधिकारी पंकज गहलोत की रिपोर्ट पर पुलिस थाना चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सिटी पश्चिम की ओर से कार्रवाई की गई। टीम ने आरोपी संजय त्यागी के कब्जे से एनडीपीएस घटकयुक्त औषधि का स्टॉक जब्त उसे गिरफ्तार किया गया। वहीं श्रीगंगानगर में बिना औषधि अनुज्ञापत्र के संचालित फर्म के मालिक राहुल के कब्जे से दवाईयों के स्टॉक को जब्त किया गया तथा न्यायालय से अभिरक्षा के आदेश प्राप्त किए गए।

प्रदेश भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

कार्यालय प्रभारी ने किया पदभार ग्रहण

बेधड़क | जयपुर

भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक ने बुधवार को प्रदेश कार्यालय में विधि विधान से पूजा-अर्चना के बाद पदभार ग्रहण किया। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक को माला पहनाकर स्वागत किया और पदभार ग्रहण कराया।

इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों ने मुकेश पारीक को शुभकामनाएं दी। वहीं भाजपा कार्यकर्ताओं और कार्यालय स्टाफ ने भी पारीक का फूलमाला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के दौरान मुकेश पारीक ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व ने मुझ पर भरोसा जताते हुए जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे पूरा करने के लिए मैं कटिबद्ध हूं। उन्होंने कहा कि संगठन के भीतर मुझे विभिन्न पदों पर रहकर काम करने का मौका मिला है। पार्टी की ओर से जब भी और जहां भी मुझे दायित्व सौंपा गया मैने उसे पूरा करने के लिए निष्ठा और लगन से काम किया है। पारीक ने कहा कि हम सभी आगामी लोकसभा चुनावों की तैयारी में जुटेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलाएंगे। इस मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया, प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, वासुदेव चावला, स्टेफी चौहान, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनुराधा माहेश्वरी, भाजपा प्रदेश मीडिया कार्यालय प्रभारी चंपालाल रामावत, चिकित्सा प्रकोष्ठ संयोजक डॉ. अशोक यादव सहित कार्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

अल्पसंख्यक मामलात विभाग के सचिव ने किया औचक निरीक्षण

मदरसों में व्यवस्था सुधार के दिए निर्देश

बेधड़क | जयपुर

अल्पसंख्यक मामलात विभाग के सचिव राजन विशाल ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र को प्राथमिकता दे रही है। सरकार की अपेक्षा है कि कॉलेज से लेकर गांव-ढाणी तक आमजन को बेहतरीन शैक्षणिक संस्थान मिले। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजन विशाल ने बुधवार को जयपुर के विभिन्न मदरसों व अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया व सुधार के निर्देश दिए । वे निर्माणाधीन आवासीय विद्यालय चाकसू भी गए, जहां उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति व गुणवत्ता की जांच की। इस दौरान उन्होंने कहा कि मदरसों व अल्पसंख्यक आवासीय विद्यालयों में चाइल्ड सेंट्रिक एप्रोच के साथ काम किया जाए। सभी कार्मिक समय पर आएं और उनका व्यवहार अच्छा हो। कार्मिक अनुशासन के साथ अपने दायित्वों को पूरा करें। शौचालय की नियमित सफाई हो। कक्षाए साफ-सुथरी हों। तकनीकी नवाचारों पर जोर देते हुए उन्होंने ऑनलाइन शिक्षण सामग्री, ई-कंटेंट, रिमेडियल क्लासेज़ को अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें सहज और सरल महसूस करवाने की कोशिश की। साथ ही उनसे शिक्षा, भोजन सहित अन्य व्यवस्थाओं एवं गैर शैक्षिक गतिविधियों की गुणवत्ता को लेकर फीडबैक लिया।

इस दौरान निदेशक नलिनी कठौतिया, अति निदेशक अबू सूफियान राज मदरसा बोर्ड सचिव, सैयद मुक्कर्म शाह, सहायक निदेशक सुशील कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

राजस्थान का बढ़ा गौरव

प्रदेश के चार कलाकार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित

बेधड़क | जयपुर

■ नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति ने बांटे पुरस्कार

प्रदेश के कलाकारों ने एक बार फिर से राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का गौरव बढ़ाया है। बुधवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संगीत, नृत्य, नाटक और लोक कलाओं में उत्कृष्टता हासिल करने वाले कलाकारों को वर्ष 2022-23 के संगीत नाटक अकादमी अवार्ड्स से सम्मानित किया।

राष्ट्रपति ने संगीत, नृत्य, नाटक, लोक व जनजातीय कलाएं, कठपुतली और संबद्ध रंगमंच कला के क्षेत्र में 94 प्रतिष्ठित कलाकारों (दो संयुक्त पुरस्कार) को साल पुरस्कार प्रदान किए। देशभर से सम्मानित किए गए कलाकारों में राजस्थान के चार कलाकारों को इस पुरस्कार से नवाजा गया है। पुरस्कार प्राप्त करने वाले कलाकारों में 'सरोद' वादन में बेहतरीन उपलब्धि हासिल करने वाले कलाकार वसंत काबरा, अलाइड थिएटर आर्टस (लाइटिंग) में दौलतराम वेध और परंपरागत लोक संगीत 'भपंग वादन' के लिए गफूरुद्दीन मेवाती जोगी शामिल हैं। वहीं राजस्थान के मोईनुद्दीन खान को सारंगी वादन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए वर्ष 2023 का संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार राष्ट्रपति ने प्रदान किया। गौरतलब है कि राष्ट्रपति ने इस समारोह में साल 2022 और 2023 के लिए अकादमी पुरस्कारों के अलावा 7 प्रतिष्ठित कलाकारों (एक संयुक्त फेलोशिप) को संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (अकादमी रत्न) भी प्रदान किए। संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (अकादमी रत्न) प्रदर्शन कला के क्षेत्र में प्रतिष्ठित कलाकार को उसके प्रदर्शन कला में असाधारण योगदान के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। वहीं, अकादमी की फेलोशिप सबसे प्रतिष्ठित और दुर्लभ सम्मान है, जिसे 40 व्यक्तियों को ही दिया जा सकता है।

फेलोशिप में मिलती है इतनी राशि

संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार साल 1952 से प्रदान किए जा रहे हैं। ये सम्मान न केवल उत्कृष्टता और उपलब्धि के उच्चतम मानक के प्रतीक हैं, बल्कि निरंतर व्यक्तिगत कार्य और योगदान को भी मान्यता देते हैं। अकादमी फेलोशिप के तहत तीन लाख रुपए की नकद राशि प्रदान की जाती है। वहीं, अकादमी पुरस्कार के तहत ताम्रपत्र और अंगवस्त्र के अलावा एक लाख रुपए की नकद राशि दी जाती है।

समारोह में ये भी रहे मौजूद

पुरस्कार समारोह में केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री जी किशन रेड्डी, विधि व न्याय (स्वतंत्र प्रभार), संसदीय कार्य और संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, संस्कृति मंत्रालय में सचिव गोविंद मोहन, संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्षा डॉ. संध्या पुरेचा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में सम्मानित सभी कलाकारों को अतिथियों ने बधाई दी और देश की कला-संस्कृति को बुलंदियों पर पहुंचाने के प्रयासों को सराहा।

जरूरी खबर

अनधिकृत कार बाजारों पर की गई आरटीओ कार्रवाई

जयपुर। शहर में अनधिकृत कार बाजारों पर परिवहन विभाग ने कार्रवाई की रूख बनाया है। एसीएस परिवहन श्रेया गुहा व परिवहन आयुक्त डा. मनीषा अरोड़ा के निर्देश पर कार्रवाई की गई है। दरअसल कार बाजार संचालकों के खिलाफ लगातार शिकायतें थी। ऐसे में प्रादेशिक परिवहन कार्यालय जयपुर द्वितीय की ओर यह कार्रवाई की गई है। कार्रवाई में 7 कार बाज़ारों में कुल 237 वाहन जब्त किए गए हैं। इसके बाद अब विभाग कर और पेनल्टी वसूल करेगा। कार्रवाई से कार बाजार संचालकों में हड़कंप मच गया। वे डर के मारे अपने परिसरों पर ताला लगा कर चले गए। इनमें आशीर्वाद कार्स हनुमान नगर वैशाली नगर, डीडेल मोटर्स, झोटवाड़ा, गाड़ी 18 सर्विस प्राइवेट लिमिटेड झोटवाड़ा, वर्ल्ड ऑफ़ व्हील चित्रकूट ड्रीम कार वर्ल्ड वैशाली मार्ग वैशाली नगर, KTL AUTOMOBILE, कार वन अंबाबाड़ी फर्मों पर परिवहन विभाग ने कार्रवाई की है।

पीटीआई और पुस्तकालयाध्यक्ष की निकाली भर्ती

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से बुधवार को संस्कृत शिक्षा (कॉलेज) विभाग में शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक (पीटीआई) के 20 पद तथा पुस्तकालयाध्यक्ष के 20 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 12 मार्च से 10 अप्रेल की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा तिथि व स्थान के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जाएगा।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

हेरिटेज नगर निगम की साधारण सभा की बैठक चढ़ी हंगामे की भेंट, विधायक गोपाल शर्मा ने लगाया धक्का-मुक्की का आरोप

तीन साल बाद भी नहीं निकल सका विकास का रास्ता

बेधड़क | जयपुर

नगर निगम हेरिटेज की 3 साल के लंबें इंतजार के बाद बैठक हुई। मगर बैठक में विकास कार्यों से ज्यादा चर्चा कांग्रेस-बीजेपी की आपस में आरोप-प्रत्यारोप की रही। बैठक में कांग्रेस और बीजेपी पार्षद वेल में भिड़ गए। एक दूसरे के साथ मारपीट करने लगे।

वहीं कुछ कांग्रेसी पार्षदों ने विधायक गोपाल शर्मा के साथ भी धक्का-मुक्की की। बीजेपी पार्षद बीच में आ गए। दोनों के बीच विवाद हो गया। इसके बाद सभा को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। दरअसल बैठक में सबसे पहले बंद माइक को लेकर हंगामा हो गया था। कांग्रेस और बीजेपी के पार्षदों ने वेल में आकर मेयर के खिलाफ प्रदर्शन शुरू कर दिया। फिर हंगामे के बीच कांग्रेस और बीजेपी पार्षद मेयर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए साइन करवाने लगे। इसके कारण हंगामा बढ़ गया। पार्षद और अधिकारी एक दूसरे से भीड़ गए। हंगामे के बीच मेयर ने एक पार्षद को बैठक से बाहर करने का आदेश दे दिया। इस बीच बीजेपी और कांग्रेस के विधायक भी साधारण सभा में पहुंच गए थे। फिर हंगामा बढ़ता गया।

राष्ट्रगान बंद करवाया, गिरफ्तारी हो: गोपाल शर्मा

सिविल लाइंस से बीजेपी विधायक गोपाल शर्मा ने कांग्रेस विधायक रफीक खान पर देशद्रोही होने का आरोप लगाया है। शर्मा ने कहा कि जयपुर हैरिटेज नगर निगम की बैठक के दौरान अतिक्रमण और हटवाड़ा लगाने के मुद्दे पर हंगामा हो रहा था, जिसके बाद महापौर ने बैठक स्थगित करते हुए राष्ट्रगान करवाने के निर्देश दिए। इस दौरान किशनपोल से कांग्रेस विधायक अमीन कागजी ने आदर्श नगर से कांग्रेस विधायक रफीक खान को ऑडियो सिस्टम का तार खींचकर राष्ट्रगान बंद कराने को कहा। इस पर रफीक खान ने तार खींचकर ऑडियो सिस्टम बंद कर दिया और राष्ट्रगान बीच में ही रुक गया।

निगम को नरक निगम बना दिया : आचार्य

हवामहल विधायक बाबा बालमुकुंद आचार्य भी साधारण सभा की बैठक में पहुंचे थे। बाबा के पहुंचते ही बैठक में जय श्री राम के नारे लगे। उनके साथ विधायक गोपाल शर्मा भी मौजूद थे। इस दौरान बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि जयपुर में नगर निगम ने नरक निगम जैसा हाल कर रखा है। जगह-जगह कचरा के ढ़ेर लग रहे हैं। बहुत पीड़ा का विषय है। आखिर हम लोग कर क्या रहे हैं। नगर निगम के अधिकारी फोन भी नहीं उठाते हैं। पूरी दुनिया जयपुर की फोटो खींचकर जाती है। हमारे पार्षदों में 3 साल तक लाठी और भाटे खाए हैं। लेकिन अब ऐसी स्थिति नहीं चलेगी। जो काम 3 साल से नहीं हुए पहले उसी पर चर्चा होनी चाहिए।

बाल भी बांका नहीं हो सकता

सभा में पार्षदों के हमला करने के सवाल पर गोपाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेसी नेताओं से और उम्मीद भी क्या की जा सकती है। उसका बाल भी बांका नहीं हो सकता, जिसका प्रभु रक्षक होता है। इन लोगों ने जयपुर में हालत बिगाड़ दिए हैं। जयपुर में 5 से 6 ऐसे इलाके हैं।

बालसुधार गृह से फरारी: लॉरेंस गैंग की शह पर हुई वारदात

22 दिन बाद फिर भागे 20 बाल अपचारी, 10 को पकड़ा

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में एक बार फिर से बाल अपचारी सुरक्षा व्यवस्था को धत्ता बताते हुए भागने में सफल हुए है। सेठी कॉलोनी स्थित बाल सुधार गृह के कमरें की दीवार तोड़कर जयपुर 20 बाल अपचारी भाग गए। बाद में पुलिस ने इनमें से 10 बालअपचारियों को निरूद्ध कर लिया। अन्य बाल अपचारियों की तलाश में पुलिस टीमें जुटी हुई हैं। गौरतलब है कि 12 फरवरी को भी 23 बाल अपचारी लोहे की खिड़की कटर से काटकर फरार हो गए थे।

महज 22 दिन बाद बाल अपचारी यहां से भाग पाने में सफल हुए है। वहीं बाल अपचारियों के भागने का पता चलने पर प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना पर ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बाल अपचारियों के भागने के मामले में वहां के स्टाफ की भारी लापरवाही सामने आई है। घटना के समय मौके पर कोई स्टाफ नहीं था। सिक्योरिटी एजेंसी के गार्ड को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम को लॉरेंस गैंग से जोड़कर देखा जा रहा है। कहा जा रहा है कि बाल अपचारियों को भगाने में लॉरेंस के गुर्गे का हाथ है। 12 फरवरी को भी लॉरेंस के एक गुर्गे समेत 22 नाबालिग सुधार गृह से फरार हो गए थे। इन दोनों घटनाओं को लेकर पुलिस का कहना है कि लॉरेंस का गुर्गा नाबालिगों को मिलाकर गैंग बना रहा है।

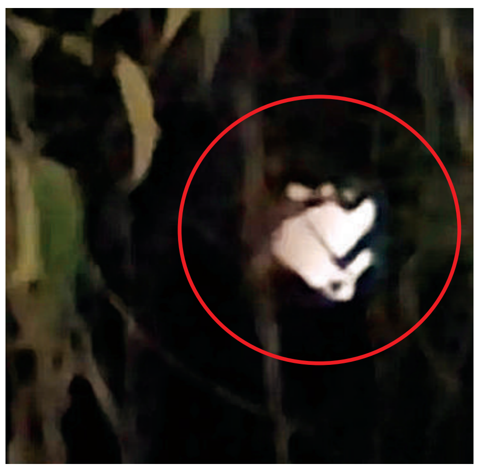

सेठी कॉलोनी स्थित बाल सुधार गृह की इसी दीवार से छेद कर बाल अपचारी भागने में हुए थे सफल।

लॉरेंस गैंग की शह पर हो रही घटना

सूत्रों की मानें तो मंगलवार की रात बाल सुधार गृह से भागे बाल अपचारियों का संबंध 12 फरवरी को भागने वाले नाबालिगों से है। लॉरेंस के गुर्गे ने ही यहां पर अपनी गैंग बनाई है। लॉरेंस का गुर्गा 12 फरवरी को भागने के बाद से पुलिस की पकड़ में नहीं आया। मंगलवार को जो लड़के भागे वह लॉरेंस के गुर्गे के सम्पर्क में थे। पुलिस को आशंका है कि ये लोग बाहर निकल कर अपनी गैंग बना रहे हैं। लॉरेंस के गुर्गे ने सुधार गृह में रहते हुए कई जानकारी इन नाबालिगों को दी थी। उनके तलाश में पुलिस की कुछ टीमें हरियाणा भी गई हुई हैं।

सुधार गृह में अब पुलिस को किया तैनात

मंगलवार रात को घटना के बाद जयपुर पुलिस कमिश्नर, एडिशनल पुलिस कमिश्नर क्राइम, एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर, डीसीपी ईस्ट मौके पर पहुंचे थे। पुलिस अधिकारियों ने बाल सुधार गृह के एडिशनल डॉयरेक्टर मुकेश मीणा से घटना को लेकर जानकारी ली गई। घटना से जुड़ी तमाम जानकारी वो दे ही नहीं पाए। मौके पर सुधार गृह का स्टाफ ही नहीं था। यहां के कर्मचारियों की लापरवाही से बाल अधिकारिता विभाग को अवगत कराया जाएगा। जयपुर कमिश्नर ने बाल सुधार गृह में पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया है।

10 फीट की दीवार, भागने में बन रही मददगार

बाल सुधार गृह में एक दीवार जमीन से केवल 10 फीट ऊंची है। सुधार गृह में बंद बाल अपचारी ही नहीं बाहर से भी कोई व्यक्ति बाल सुधार गृह में जाकर वारदात कर सकता है। इसे आसानी से फांदा जा सकता है।

सुखदेव गोगामेड़ी को दी श्रद्धांजलि

दिनभर विधानसभा घेराव की चेतावनी शाम को स्थगित

बेधड़क | जयपुर

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर पत्नी शीला गोगामेड़ी की ओर से यात्रा निकाली जा रही है। इसी बीच दूसरी ओर क्षत्रिय करणी सेना की ओर से जयपुर के चित्रकूट स्थित प्रताप स्टेडियम में श्रद्धांजलि सभा हुई। बाद में 15 सूत्री मांगों को लेकर क्षत्रिय करणी सेना के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने सरकार के प्रतिनिधि को सभा स्थल पर बुलाने की मांग रखी। मगर किसी प्रतिनिधि के नहीं आने पर विधानसभा घेराव की चेतावनी दी। पुलिस अधिकारियों और पदाधिकारियों के बीच कई दौर की वार्ता हुई। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद शाम 4 बजे के बाद पदाधिकारियों ने विधानसभा घेराव को स्थगित कर दिया है। कार्यक्रम की शुरुआत में क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज सिंह शेखावत ने दीप प्रज्ज्वलित किया। इस दौरान दो मिनट का मौन रखा गया। गोगामेड़ी की तीसरी पत्नी सपना सोनी भी कार्यक्रम में पहुंचीं। राज सिंह शेखावत ने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के 90 दिन बीत गए, लेकिन बुधवार को भी हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं हुई। यहां तक कि जिस हथियार से उनकी हत्या की गई। एनआईए आज तक उसे भी नहीं ढूंढ पाई। सरकार से हम मांग करते हैं कि हत्या करने वालों की जल्द गिरफ्तारी हो और उनका एनकाउंटर किया जाए। क्षत्रिय करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिव सिंह शेखावत ने कहा कि प्रशासन की ओर से कुंवर राष्ट्रदीप, पारस जैन समेत पांच अधिकारियों ने वार्ता की। हमारी मांगों को उच्चाधिकारियों के माध्यम से सरकार तक बात पहुंचा दिया जाएगा। इसके चलते आज विधानसभा घेराव को स्थगित कर दिया गया है।

उत्तीर्ण आवेदकों को मिलेगा निशुल्क हेलमेट

महिला दिवस के अवसर पर केवल महिलाओं का ही होगा ड्राइविंग टेस्ट

बेधड़क | जयपुर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च के अवसर पर परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं, इसके तहत समस्त परिवहन कार्यालयों में ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट के लिए इस दिन केवल महिला आवेदकों का ही ड्राइविंग टेस्ट लिया जाएगा।

इसके लिए महिला आवेदकों को अपने ड्राइविंग टेस्ट अपॉइंटमेंट को अपने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में जाकर उसी समय पुर्ननिर्धारित कराया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में कुल जारी ड्राइविंग लाइसेंस में से मात्र 9 प्रतिशत ही लाइसेंस महिलाओं को जारी किए जाते हैं।

ड्राइविंग लाईसेंस के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए लाइसेंस टेस्ट के लिए महिला आवेदकों को स्थायी रूप से SARTHI पोर्टल पर स्लॉट आरक्षित किया जाएगा। इससे महिला आवेदकों को टेस्ट एवं री-टेस्ट के लिए लंबी अवधि तक टेस्ट हेतु इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसके साथ ही स्वरोज़गार हेतु ई-रिक्शा, टैक्सी व दो पहिया महिला चालकों को विभाग द्वारा राज्य के अजमेर एवं रेलमगरा, राजसमंद में स्थापित ड्राइविंग ट्रैनिंग इंस्टीट्यूट के माध्यम से नि:शुल्क प्रशिक्षण कराया जाएगा।

जिला कलेक्टर ने महाशिवरात्रि की तैयारियों की लेकर ली बैठक

मंदिरों की व्यवस्थाओं में सहयोग की अपील

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश समेत राजधानी में 8 मार्च को शिवरात्रि का पर्व उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस पावन पर्व के मौके पर शिवालयों सहित शहर के प्रमुख मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसको देखते हुए जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने सुरक्षा सहित तमाम व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कार्मिकों की जिम्मेदारियां तय की है। वहीं, देवस्थान विभाग राजस्थान सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जिला कलक्टर ने आमजन, धार्मिक संस्थाओं के पदाधिकारियों, पुजारियों एवं समाज के भामाशाहों से जिले में संचालित गैर राजकीय समस्त छोटे-बड़े मंदिरों में श्रृंगार पूजा अर्चना, साज-सज्जा एवं रोशनी की व्यवस्था करने के साथ-साथ खास आयोजन एवं गतिविधियां आयोजित करने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि जयपुर के ताड़केश्वर मंदिर सहित अन्य प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा, कानून व शांति व्यवस्था, सुचारू यातायात सहित जरूरी व्यवस्थाओं के लिए देवस्थान विभाग, पुलिस, नगर निगम, चिकित्सा एवं नागरिक सुरक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है, ताकि आमजन को किसी भी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े। जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग को प्रमुख मंदिरों के आस-पास के क्षेत्र में पेयजल उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, साथ ही श्रद्धालु शिव मंदिरों में सुलभ दर्शन कर सके और व्यवस्था बनी रहे। इसके लिए आपदा प्रबंधन की टीमों को तैनात किया जाएगा, वहीं सुचारू यातायात सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त यातायात पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

बच्चों की दुर्लभ बीमारियों का होगा इलाज

बच्चों के लिए बनेगा ‘सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ट्रीटमेंट ऑफ रेयर डिजीज’

- मेडिकल कॉलेज और अस्पताल आरयूबी/आरओबी से जुड़ेगा

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश का चिकित्सा महकमा स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के लिए इन दिनों एक्शन मोड में है। इसके लिए नीत नए बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। इसी कड़ी में बच्चों में होने वाले दुर्लभ रोगों के उपचार के लिए प्रदेश में ‘सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ट्रीटमेंट ऑफ रेयर डिजीज’ बनाया जाएगा। राजधानी के जेके लोन अस्पताल में यह सेंटर बनाने के लिए जल्द एक प्रस्ताव भारत सरकार को भिजवाया जाएगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने डचेन मस्कुलर डिस्ट्रोफी (डीएमडी) रोग से ग्रसित बच्चों की समस्याओं के समाधान के लिए शासन सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आर्थिक संसाधनों के अभाव में आमजन बच्चों में होने वाले दुर्लभ रोगों का समुचित उपचार प्राप्त करने में बेहद परेशानी का सामना करते हैं। ऐसे में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह ने इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की पहल की है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने एसएमएस अस्पताल से मेडिकल कॉलेज के बीच आवागमन सुगम बनाने के लिए जेडीए को अण्डरपास या ओवरब्रिज एवं पार्किंग निर्माण के लिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। शुभ्रा सिंह ने सवाई मानसिंह अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज से जुड़े अन्तर्विभागीय मुद्दों को लेकर शासन सचिवालय में आयोजित बैठक में यह निर्देश दिए।

राजधानी में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र की शाखा

प्रदेश में रोग निदान के लिए अब राष्ट्रीय स्तर की जांच सुविधा उपलब्ध होगी। इसके लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी) नई दिल्ली की राज्य शाखा जयपुर में स्थापित की जाएगी। इस महत्वपूर्ण पहल को लेकर बुधवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के शासन सचिवालय स्थित कक्ष में भारत सरकार के साथ एमओयू किया गया। भारत सरकार की ओर से प्रोफेसर डॉ. अतुल गोयल, महानिदेशक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा राज्य सरकार की ओर से श्रीमती शुभ्रा सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

निर्माण कार्यों के लिए बनेगा एसओपी, हटेगा अतिक्रमण

सवाई मानसिंह अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज से जुड़े अन्तर्विभागीय मुद्दों की बैठक में एसीएस शुभ्रा सिंह ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार को देखते हुए सार्वजनिक निर्माण विभाग के माध्यम से चल रहे निर्माण कार्यों के लिए एसओपी बनाने निर्देश दिए। निर्माण कार्यो को समय पर पूरा करने के साथ ही गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आरएसआरडीसी को निर्देशित किया कि महिला चिकित्सालय में आईपीडी टॉवर व हॉस्टल निर्माण के कार्य को गति दें। एसएमएस अस्पताल परिसर में बन रहे आईपीडी टॉवर की निर्माण लागत एवं भावी निर्माण के संबंध में विस्तृत प्रजेंटेशन तैयार किया जाए।

मेडिकल कॉलेज में खुलेगा मेडिकल जेनेटिक्स विभाग

एसीएस सिंह ने निर्देश दिए कि दुर्लभ रोगों के उपचार एवं रिसर्च के लिए सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में मेडिकल जेनेटिक्स विभाग की स्थापना की जाए। इसके लिए उन्होंने चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को विस्तृत प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जेके लोन अस्पताल में वर्तमान में संचालित नोडल सेंटर फॉर रेयर डिजीज का सुदृढ़ीकरण किया जाए तथा इस सेंटर में पर्याप्त मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही प्रदेशभर में जन्म लेने वाले नवजात शिशु की जन्मजात बीमारियों का जल्द पता लगाने के लिए यूनिवर्सल न्यूबोर्न स्क्रीनिंग प्रोग्राम चलाया जाए।

जरूरी खबर

सीकर से अयोध्या के लिए रवाना हुई आस्था ट्रेन

सीकर। रेलवे स्टेशन से अयोध्या के लिए स्पेशल 'आस्था ट्रेन' बुधवार सुबह 6:30 रवाना हुई है। ट्रेन श्रद्धालुओं को श्रीराम जन्म भूमि तीर्थ अयोध्या के दर्शन कराएगी। आस्था ट्रेन सिर्फ सीकर लोकसभा क्षेत्र के तीर्थ यात्रियों के लिए ही स्वीकृत की गई है। ट्रेन के रवाना होने से पहले सीकर रेलवे स्टेशन जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने बताया कि यात्रियों के लिए खाने-पीने, रहने की व्यवस्था निशुल्क है।

पशु मित्रों ने संविदा कैडर में शामिल करने की उठाई मांग

झुंझुनूं। मानदेय निर्धारित कर संविदा कैडर में शामिल करने की मांग को लेकर बुधवार को पशु मित्रों ने कलेक्ट्रेट पर एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। रितिका आशरा ने बताया कि केंद्र सरकार के द्वारा पशु सेवा के लिए 5 हजार पशु मित्रों का चयन किया गया था। केंद्र सरकार की ओर से मानदेय का प्रावधान भी किया था, लेकिन तत्कालीन गहलोत सरकार ने पशु मित्रों को किसी प्रकार का मानदेय नहीं दिया। उन्होंने बताया कि वह खुद के जेब से पैसा लगाकर गौशाला में पशुओं की सेवा कर रहे हैं। टीकाकरण, टैगिंग, कृत्रिम गर्भाधान, बीमार पशुओं देखभाल जैसी सेवाओं में लगे हुए हैं, लेकिन सरकार से अभी तक कुछ भी नही मिला है। जेब से पैसे लगाकर पशुओं की देखभाल कर रहे हैं।

पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

नीमकाथाना। ग्राम पंचायत नरसिंहपुरी के ढाणी बुधसिंह के ग्रामीणों ने ढाणी में पानी की समस्या को लेकर जलदाय विभाग कार्यालय में विरोध प्रदर्शन कर सहायक अभियंता बलबीर सैनी को ज्ञापन सौंपा। पूर्व सरपंच गोपाल सैनी ने बताया कि ढाणी में जल जीवन मिशन योजना के तहत बनाई गई पानी की टंकी का निर्माण भी अधूरा है। ट्यूबवेल से टंकी तक पाइपलाइन भी अधूरी है। इसके अलावा जलदाय विभाग की ओर से की हुई एक अन्य ट्यूबवेल की गहराई कम होने के कारण पानी नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन योजना का काम पूरा कर पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से करवाई जाए।

वनकर्मियों ने प्रशिक्षण के बाद शुरू की मॉनिटरिंग, कालदां के जंगलों की भी होगी सुरक्षा

रामगढ़ विषधारी रिजर्व में 240 कैमरों से वन्यजीवों की सुरक्षा

बेधड़क | बूंदी

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के कोर एवं बफर वन क्षेत्र की अब फोटो ट्रैप कैमरों से निगरानी की शुरुआत हो गई है। विभाग ने वनकर्मियों को प्रशिक्षण देकर 240 कैमरों से वन्यजीवों के अधिक विचरण वाले क्षेत्र में कैमरे लगाकर नियमित मॉनिटरिंग शुरू कर दी है।

उपवन संरक्षक एवं उप क्षेत्रीय निदेशक संजीव शर्मा के अनुसार टाइगर रिजर्व बनने के साथ ही विभाग बाघ सहित अन्य वन्यजीवों की सुरक्षा एवं निगरानी को लेकर काफी सतर्क होकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वन्य जीवों के शिकार को रोकने एवं जंगल में अवांछित गतिविधियों को रोकने में कैमरे सहायक होंगे। शर्मा ने बताया कि टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में विभाग ने तीन महीने पहले 200 नए कैमरे खरीदे हैं तथा नियमित रूप से उनका उपयोग भी शुरू कर दिया है। इसी प्रकार रामगढ अभयारण्य क्षेत्र से बाहर के जंगलों में भी बफर जोन के लिए 40 नए कैमरे खरीदे हैं। इनको हिंडौली, डाबी व बूंदी रेंजों में देकर वन्यजीव अधिकता वाले क्षेत्रों में लगाने के निर्देश जारी कर दिए हैं। जंगल में फोटो ट्रैप कैमरों से निगरानी से वन्यजीवों की वास्तविक संख्या की जानकारी भी सामने आ सकेगी।

वनकर्मियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण

उपवन संरक्षक एवं उप क्षेत्रीय निदेशक संजीव शर्मा ने बताया कि कालदां में जल्दी ही बफर क्षेत्र के वनकर्मियों को भी फोटो ट्रैप कैमरों को लगाने व डाटा एकत्रित करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पर्याप्त संख्या में कैमरे मिलने से वनकर्मियों में भी उत्साह है और इससे जंगल मे अवैध रूप से प्रवेश करने वाले लोगों की भी निगरानी हो सकेगी। रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के उपवन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक तरुण मेहरा ने बताया कि बफर बूंदी ने बताया कि देवझर महादेव से भीमलत तक के वन क्षेत्र में कई प्रजाति के वन्य जीवों की मौजूदगी है। इनकी फोटो ट्रैप कैमरों से निगरानी के निर्देश जारी किए हैं और जल्दी ही स्टाफ को ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

कालदां में भी जंगल की कैमरों से निगरानी

जिले के जैवविविधता से समृद्ध कालदां के दुर्गम जंगलों की भी निगरानी अब फोटो ट्रैप कैमरों से की जाएगी। टाइगर रिजर्व के बफर जोन में आने वाले इस महत्वपूर्ण वन क्षेत्र की हिंडौली व बूंदी रेंज में विभाग ने 30 कैमरे कालदां व इसके आस-पास के जंगलों में वन्यजीवों की निगरानी के लिए लगाने का काम शुरू करने का निर्णय लिया है। इससे वन क्षेत्र में जीवों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हो सकेंगे। इसी प्रकार डाबी व बरड़ क्षेत्र की निगरानी के लिए भी 10 कैमरे जारी किए गए हैं।

पुलिस ने किया खुलासा: चाय बनाने की बात पर हुआ था झगड़ा

पति ने पत्नी सहित तीन बच्चों को मौत के घाट उतारा... गिरफ्तार

बेधड़क | अलवर

■ थानागाजी में हुए जघन्य हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

थानागाजी में मंगलवार को हुए हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस के अनुसार पत्नी ने चाय बनाने से मना किया तो आरोपी पति ने घर आकर पत्नी का तकिए से मुंह दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद कमरे में गया और गहरी नींद में सो रहे तीन बच्चों को भी तकिए से मुंह दबाकर मार डाला।

आरोपी ने मर्डर को सुसाइड दिखाने की कोशिश की थी। वो शवों के पास बैठा रोता रहा ताकि उस पर किसी को शक नहीं हो। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि पत्नी ने कहा था, तुमसे बच्चों को नहीं पाला जाता, तुम्हारे लिया चाय क्यों बनाऊं। इससे नाराज पति ने पत्नी व तीनों बच्चों को मौत के घाट उतार दिया। थानागाजी थाने के एसएचओ राजेश मीणा ने बताया कि मंगलवार सुबह को दुहार चौगान निवासी मंजू (35) के भाई सुरेंद्र ने जीजा तेजपाल शर्मा के खिलाफ रिपोर्ट दी थी।

इसमें बताया था कि उसकी बहन मंजू, बेटी शिवानी (11), दिव्यांशी (7) और बेटे प्रियांशु (6) को जहर देकर मार दिया गया। चारों के शव एक ही बिस्तर पर मिले थे।

पत्नी ने फोन पर कसा था तंज

एसपी आनंद शर्मा ने बताया कि पूछताछ में आरोपी तेजपाल ने पत्नी व बच्चों की हत्या करने की बात कबूल ली थी। उसने पत्नी को मारने के बाद बच्चों की भी हत्या कर दी और इस हत्या को सुसाइड दिखाने का प्रयास किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने घर लौटते समय पत्नी से चाय बनाने की बात कही थी। मंजू ने उससे कहा कि तुम बच्चों के लिए करते ही क्या हो जो तुम्हारे लिए चाय बना कर रखूं। इसके बाद वह 10 बजे घर पहुंचा और सिलाई कर रही मंजू को तमाचा जड़ दिया। मंजू ने उसकी तरफ पास ही रखा तकिया फेंक कर मारा। इससे तेजपाल गुस्से में आ गया और उसने उसी तकिए से मुंह दबा कर मंजू की हत्या कर दी। इसके बाद कमरे में ही चारों के शवों को एक साथ सुला कर खुद अपनी मां के कमरे में जाकर सो गया।

देर रात बच्चों की भी कर दी हत्या

आरोपी तेजपाल ने पुलिस को बताया कि पत्नी की हत्या करने के बाद वह रात 11 बजे कमरे में सो रही बेटी शिवानी, दिव्यांशी और बेटे प्रियांशु के पास गया। उस समय तीनों बच्चे गहरी नींद में थे। उसने एक-एक कर तीनों बच्चों का तकिए से मुंह दबा कर मार डाला। उसने बताया कि सारी लड़ाई बच्चों को लेकर थी। पत्नी मंजू बार-बार ताने देती थी कि बच्चों के लिए तुमने किया क्या है? तुम नहीं मैं बच्चों को पाल रही हूं। पुलिस को शक नहीं हो इसके लिए आरोपी ने सुबह पुलिस के सामने रोने का नाटक भी किया। हत्या को सुसाइड दिखाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की पूछताछ के आगे वह टूट गया।

सोशल मीडिया पर लिखा 'अलविदा बाईजी'

पूर्व CM गहलोत ने बहन को दिया कंधा, अंतिम संस्कार में हुए भावुक

बेधड़क | जोधपुर

पूर्व सीएम अशोक गहलोत की बड़ी बहन विमला देवी की अंतिम यात्रा बुधवार जोधपुर स्थित लाल निवास से निकाली गई। इसमें गहलोत सहित कांग्रेस के कई नेताओं समेत कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। गहलोत बुधवार सुबह जोधपुर पहुंचे थे। वह सीधे ही अपनी बहन के घर लाल सागर पहुंचे। जहां पहले से मौजूद लोगों ने गहलोत को ढांढस बंधाया। इसके बाद रामबाग माली समाज के श्मशान में उनकी बहन को पंचतत्व में विलीन किया गया।

विमलादेवी कच्छवाह (93) सीएम अशोक गहलोत की बड़ी बहन थी। उनका गहलोत से काफी ज्यादा प्रेम था। मंगलवार शाम को उनके निधन के बाद सीएम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी अपनी दुख जताया। उन्होंने लिखा कि 'आज जोधपुर में मां जैसी बड़ी बहन विमला देवी कच्छवाह की अंतिम यात्रा में शामिल हुआ। आपका स्नेह, स्मृतियां व संस्कार सदैव मेरे मन में रचे-बसे रहेंगे और आपकी यादें हमेशा मुझे प्रेरणा देती रहेंगी। अलविदा बाईजी।'

बुधवार सुबह विमलादेवी के निवास लाल सागर के उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। यहां पूर्व सीएम अशोक गहलोत, बद्रीराम जाखड़, वैभव गहलोत सहित कई कांग्रेस नेता शामिल हुए। लाल सागर आवास पर पूर्व सीएम गहलोत अपनी बहन को अंतिम प्रणाम किया। अंतिम यात्रा में अर्थी को उन्होंने कंधा दिया। इसके बाद अंत्येष्टि स्थल पर बहन को विदाई दी। इस दौरान गहलोत काफी भावुक नजर आए। 93 वर्षीय विमला देवी की अंतिम यात्रा बाजे-गाजे से निकाली गई।

टायर जलाकर ग्रामीणों के साथ चार घंटे किया प्रदर्शन

अध्यापिकाओं के झगड़े से पढ़ाई बाधित, बच्चों ने किया हाईवे जाम

बेधड़क | बीकानेर

जिले के नोखा के कंवलीसर में स्कूल में टीचर्स की आपसी लड़ाई के चलते पढ़ाई नहीं होने से परेशान स्टूडेंट्स ने ग्रामीणों के साथ मिलकर चार घंटे हाईवे जाम कर दिया। इस दौरान टायर जलाकर प्रदर्शन किया गया।

विद्यार्थियों ने स्कूल का माहौल खराब करने वाले टीचर्स को बदलने की मांग की। सूचना पर नोखा पुलिस व सीबीईओ मौके पर पहुंचे। मामले की जांच कर सात दिन में कार्रवाई करने का आश्वासन देने पर चार घंटे बाद धरना-प्रदर्शन समाप्त हुआ। मामला बीकानेर के नोखा की कंवलीसर गवर्नमेंट स्कूल का है। गुस्साए छात्रों ने हाईवे 87-ए पर सुबह से प्रदर्शन शुरू कर दिया।

ग्रामीण व स्टूडेंट्स ने बताया कि पिछले सप्ताह दो महिला टीचर्स के झगड़े के परस्पर विरोधी मामले नोखा थाने में दर्ज हुए थे। इसके बाद टीचर कमला जाट को स्कूल से एपीओ कर दिया था। इसको लेकर ग्रामीण और बच्चे लगातार टीचर को वापस स्कूल में लगाने की मांग कर रहे थे। गुस्साए स्टूडेंट और ग्रामीणों ने बुधवार सुबह से कंवलीसर गांव में स्टेट हाईवे को जाम कर दिया।

समाज को बेटा-बेटी में अंतर नहीं करने का दिया संदेश

बेटी को घोड़ी पर बिठाकर निकाली बिंदोरी

बेधड़क | अलवर

धानका समाज में कुरीतियों और कुप्रथाओं पर अब समाज खुलकर सामने आने लगा है। अलवर के मालुताना गांव के बिरजू धानका ने अपनी बेटी तमन्ना के विवाह से पूर्व आयोजित बिंदोरी में बेटी को घोड़ी पर बैठाकर डीजे के साथ बिंदोरा निकालकर समाज को एक नया संदेश दिया।

समाज के जागरूक युवा दानवीर धानका ने बताया कि बेटा और बेटी में अंतर की खाई को पाटने का काम अब समाज द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समाज की बेटियों ने भी बेटों की तरह न केवल जमीन पर बल्कि आसमान में भी अपने मजबूत इरादों की बदौलत सफलता की नई कहानियां लिखी हैं। उन्होंने बताया कि न केवल शहरों में बल्कि ग्रामीण अंचल में भी अब बेटियों को बेटों की तरह तवज्जो दी जाने लगी है। उन्होंने कहा कि बेटी को घोड़ी पर बैठाकर बिंदोरी निकाल कर बेटा-बेटी के भेदभाव को मिटाने का संदेश देते हुए बिरजू ने सर्व समाज के लोगों के लिए एक नजीर पेश की है। इस अवसर पर रोशन लाल धानका, शिंभू, सुगन, उमराव, मुकेश, सुरेश, पप्पू, अर्जुन, जय सिंह, भैरू, वेद प्रकाश, कृष्ण, मोहन, सुभाष, रवि, महेंद्र, टिंकू, इंद्राज, जगमाल, हजारी सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सफाई के लिए हॉट स्पॉट किए चिह्नित

डीग किले में कलेक्टर ने झाड़ू लगाकर शुरू किया स्वच्छता अभियान

बेधड़क | डीग

जिला कलेक्टर श्रुति भारद्वाज ने बुधवार को डीग के प्राचीन किले में झाड़ू लगाकर स्वच्छता फर्स्ट अभियान का शुभारंभ किया। मंगलवार को कलेक्टर ने सफाई के लिए हॉट स्पॉट चिह्नित किए थे। इसके बाद बुधवार से विधिवत रूप से अभियान की शुरुआत की गई। असल में डीग के समस्त कस्बों व गांवों के सौंदर्यीकरण के लिए 6 से 17 मार्च तक स्वच्छता फर्स्ट अभियान चलाया जाएगा।

इस अभियान के तहत समस्त राजकीय भवनों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्र के साथ ही पंचायत भवन समेत अन्य भवनों में साफ-सफाई की जाएगी। इसके अलावा इनमें पुरुष व महिलाओं के लिए शौचालय की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएंगी। साथ ही ग्रामीण और शहरी सामुदायिक स्वच्छता परिसर में बिजली, पानी व अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। कलेक्टर ने बताया कि इस अभियान के तहत पानी के निकास के लिए नालियों की उचित व्यवस्था, प्रतिदिन नालियों की साफ-सफाई सहित नाली के अंतिम निकास स्थान पर सोकपिट निर्मित किए जाएंगे। वहीं, पानी के समस्त स्रोत जैसे हैंडपंप, ट्यूबवेल, पशुखेली से निकलने वाले अतिरिक्त पानी के लिए सोकपिट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

स्वच्छता फर्स्ट अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उपखंड अधिकारी डीग रवि गोयल को प्रभारी नियुक्त किया गया है। साथ ही प्रत्येक उपखंड स्तर पर संबंधित उपखंड अधिकारी के निर्देशन में आयुक्त, अधिशाषी अधिकारी नगरीय निकाय व विकास अधिकारी पंचायत समिति अभियान के प्रभारी होंगे। आयुक्त व अधिशाषी अधिकारी नगरीय निकाय और विकास अधिकारी अभियान की दैनिक रिपोर्ट अभियान के प्रभारी को सौंपेंगे।

सड़कों पर गंदगी देख भड़के आईएएस बैसारे

झालावाड़। जिले के सहायक जिला कलेक्टर व ट्रेनी आईएएस शुभम भैसारे ने बुधवार को शहर की सफाई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान शहर की सड़कों व गलियों में पसरी गंदगी को देख वो नाराज हुए और मौके पर सफाईकर्मियों को बुलाकर उन्हें फटकार लगाई। साथ ही नगर परिषद के सफाई निरीक्षक व जमादार को सफाई व्यवस्था में सुधार करने के लिए पाबंद किया। दरअसल, झालावाड़ नगर परिषद में आयुक्त का पद रिक्त है। ऐसे में ट्रेनी आईएएस शुभम भैसारे को आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। ऐसे में आयुक्त की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालते ही आईएएस भैसारे एक्शन मोड में नजर आए। स्वच्छ भारत अभियान के निरीक्षण के लिए निकले आईएएस शुभम भैसारे ने शहर के विभिन्न वार्डों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि शहर की सफाई को लेकर यदि किसी भी प्रकार की सफाईकर्मी द्वारा लापरवाही बरती जाती है तो संबंधित कर्मी को एक माह के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों से अपील की, कि वो भी शहर को साफ व सुंदर बनाए रखने में अपना योगदान दें।

जेएनयू के 150 इंटर्न्स ने शपथ लेकर दोहराई मानव सेवा के लिए प्रतिबद्धता

हिप्पोक्रेटिक शपथ नए मेडिकल ग्रेजुएट्स के लिए एक नैतिक संहिता

बेधड़क | जयपुर

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर की ओर से हिप्पोक्रेटिक शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया। समारोह में 2019 बैच के 150 इंटर्न्स ने चिकित्सा पद्धति में संचालित नैतिक मूल्यों को निभाने की शपथ ली।

इस अवसर पर जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बक्शी ने इंटर्न्स को हिप्पोक्रेटिक शपथ दिलाई। डॉ. बक्शी ने मेडिकल इंटर्न्स को सम्बोधित करते हुए कहा कि हिप्पोक्रेटिक शपथ, नए चिकित्सा स्नातकों के लिए एक नैतिक संहिता है। यह शपथ चिकित्सा पेशे की जिम्मेदारियों और दायित्वों को संभालने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की घोषणा करती है।

उन्होंने कहा कि डॉक्टर की मानव जीवन में एक मुख्य भूमिका है। वह लोगों को नया जीवन देने वाला तथा उनके दुख दर्द को समझने वाला होता है। अतः डॉक्टर्स को अपने व्यवहार से मानवीय भावना को प्रदर्शित करने की आवश्यकता है। इस अवसर पर जेएनयू के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ. प्रीति बक्शी, प्रो-चांसलर प्रो. एच एन वर्मा, वाइस चांसलर प्रो. आर एल रैना, मेडिकल कॉलेज, जेएनयूआइएमएसआर के प्रिंसिपल और नियंत्रक, लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. बी के चोपड़ा, मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. ब्रिगे.एस.बी. महाजन के साथ मेडिकल संकाय के शिक्षक एवं विद्यार्थी भी उपस्थित थे।

हमारा ध्येय सेवा है: डॉ. बक्शी

डॉ. संदीप बक्शी ने बताया कि जेएनयू ने आम जन की बीमारियों को दूर करने के साथ ही शोध पर आधारित चिकित्सकीय मापदंडों को अपनाया जाता है। सेवा हमारा ध्येय है जिसकी मिसाल कोविड के समय चिकित्सकों ने बखूबी प्रदर्शित की और अब नए इंटर्स को विश्वविद्यालय की इस परंपरा को निभाना है। उन्होंने बताया कि जेएनयू के पास नवीनतम तकनीकों एवं पद्धतियों के साथ साथ वर्षों से कार्यरत अनुभवी चिकित्सकों का विशेष ज्ञान है जिससे नई पीढ़ी लाभान्वित हो सकती है। यहां रहते हुए रोग निदान की विभिन्न तकनीकों एवं शोध के लिए अच्छा अवसर है। अतः इस समय का सदुपयोग करके स्वयं को विश्वस्तरीय मेडिकल क्षेत्र के आविष्कारों एवं सूचनाओं से अपने आप को अपडेट रख सकते हैं।

Yuva स्टोरीज

इंटर कॉलेज फेस्ट पनाश का आगाज

जयपुर। सेंट विल्फ्रेड पीजी कॉलेज में तीन दिवसीय इंटर कॉलेज फेस्ट पनाश का बुधवार को आगाज हुआ। फेस्ट में लगभग 40 कॉलेजों के स्टूडेंट्स विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. फरीदा हासनी व कल्चरल कॉर्डिनेटर डॉ. श्याम सुन्दर शर्मा ने बताया कि फेस्ट में कला सृजन, अभिव्यक्ति, राग मालिका, झंकार व फैशन शो प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। सेंट विल्फ्रेड एजुकेशन सोसायटी के मानद सचिव डॉ. केशव बड़ाया ने बताया कि विधार्थियों के सांस्कृतिक विकास के लिए महाविद्यालय इस तरह के आयोजन निरंतर करता रहता है।

'डॉयनामिस-24' में दिखी छात्रों की प्रतिभा

जयपुर। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज एण्ड रिसर्च सेंटर सीतापुरा के वार्षिक कार्यक्रम 'डॉयनामिस-24' स्पोर्ट्स एवं कल्चरल वीक के समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए ग्रुप के चेयरमैन डॉ. एस एस अग्रवाल ने कहा कि केवल किताबी ज्ञान से अपना कॅरिअर नहीं बनाया जा सकता, इसके लिए आवश्यक है ओवरऑल पर्सनलिटी डवलपमेंट, और इसके लिए हमें सैल्फ रेग्यूलेट होना पड़ेगा। उन्होंने स्टूडेंट्स का आह्वान किया कि आउटडोर और इनडोर एक्टिविटी में भाग लें ताकि लीडरशिप की क्वालिटी डबलप हो सके। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि होम्योपैथी निदेशालय, जयपुर की निदेशक डॉ. राजरानी यादव ने कहा कि बच्चे हर फील्ड में सौ फीसदी देंगे तो रिजल्ट भी 100 प्रतिशत ही मिलेगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार ज्यादा से ज्यादा नई वेकेंसी निकालने का प्रयास कर रही है, जिससे बच्चों को जॉब मिल सकें, लेकिन जो सरकारी नौकरी में नहीं जा सकें, उनके लिए भी होम्योपैथी में बहुत अच्छे स्कोप हैं। कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। स्वरांजलि ने मेरे ढोलना सुन, मेरे प्यार की धुन..की सुन्दर प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अक्षा एवं अभिनव को मिस एण्ड मिस्टर डॉयनामिस चुना गया।

डिफरेंट थीम पर स्टूडेंट्स के रैंप वॉक ने किया दर्शकों को रोमांचित

कार्यक्रम में पूरे सप्ताह चले खेल और सास्कृतिक प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों और विजेताओ को पुरस्कृत किया गया। इस दौरान प्राचार्य डॉ. योगेश्वरी गुप्ता, डीन एकेडमिक डॉ. अरुण चौगुले, डायरेक्टर डॉ. पंकज शर्मा, प्रतियोगिताओं की जज डॉ. निधि महाजन, डॉ. उषा शर्मा एवं गरिमा सहित विभिन्न लोग मौजूद थे।

छात्राओं ने सीखे तकनीकी गुर

जयपुर। सीआईपीइटी-जयपुर की ओर से केंद्रीय सरकार के विशेष जागरूकता अभियान के तहत सुबोध महिला पीजी महाविद्यालय की छात्राओं ने एक तकनीकी कार्य शाला 'टाइप्स ऑफ पॉलिमर एंड टेस्टिंग्स' में भाग लिया। महाविद्यालय की लगभग साठ छात्राओं ने डॉ. मंजु बाघमार के निर्देशन में कार्यशाला में भाग लिया। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञ अजमीरा बालू एवं डॉ. टी सेंथिल ने लाभकारी जानकारी साझा कर छात्राओं को पॉलिमर के बारे में गहन जानकारी दी। कार्य शाला के दोनों सत्रों मे छात्राओं की सक्रिय भागीदारी रही। इसके उपरांत छात्राओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए। इससे पूर्व प्राचार्या डॉ. रेणु जोशी ने दल को हरि झंडी दिखा कर रवाना किया गया।

केन्द्रीय संस्कृत विवि में रूपक महोत्सव-2024

मनोरंजक प्रहसनों में दिखा देवभाषा का लालित्य

बेधड़क | जयपुर

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर में देश के अलग-अलग भागों से आए विद्यार्थियों की प्रतिभा का संसार साकार हुआ। विवि परिसर में 20वें अखिल भारतीय रूपक महोत्सव-2024 का बुधवार को शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ रहे। सारस्वत अतिथि पूर्व निदेशक संस्कृत शिक्षा प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा व विशिष्ट अतिथि पूर्व निदेशक जयपुर परिसर प्रो. भगवती सुदेश थे। अध्यक्षता प्रो. राम कुमार शर्मा ने की। मुख्य अतिथि बीजू जॉर्ज जोसफ ने कहा कि बचपन से ही संस्कृत भाषा को रेडियो वार्ता पर सुनकर आश्चर्य होता था और यहां आकर सभी को आपस में संस्कृत में वार्तालाप करते सुना। भारतीय संस्कृति और संस्कार का अद्भुत अनुभव संस्कृत भाषा करवाती है। उन्होंने कहा कि मैं केरल प्रदेश से हूं, हमारी मलयालम भाषा संस्कृत से मिलती है।

सारस्वत अतिथि प्रो. सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने कहा कि हर व्यक्ति जीवन में यह चाहता है कि जो भी हमारे आस पास घटित हो वो कल्याणकारी भी हो और आनन्द देने वाला भी हो। काव्य ही दृश्य और श्रव्य के माध्यम से सामाजिकों को सन्देश देता है कि राम आदि सत्पात्रों के समान आचरण करना चाहिए, रावण आदि के समान नहीं। उन्होंने विरूपाक्ष, पुरुरवा, इन्द्र, लक्ष्मी, उर्वशी, मेनका आदि के रोचक उदाहरणों से सभा को आनन्दित किया। कार्यकम की विशिष्ट अतिथि प्रो. भगवती सुदेश ने कहा कि यह आयोजन छात्रों की नाट्य कर्म दक्षता को निखारने का उत्तम माध्यम है। अध्यक्षता कर रहे प्रो. रामकुमार शर्मा ने कार्यक्रम की जानकारी दी।

नटराज के आह्वान से शुरू हुआ नाटकों का सफर

मीडिया समन्वयक डॉ. रानी दाधीच ने बताया कि नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र, भोपाल परिसर द्वारा पूर्वरङ्ग प्रस्तुति से नूतन सभागार में नाटकों का शुभारंभ हुआ। नाटक के अभीष्ट देवता नटराज का आह्वान करके नाटक का विधिवत् शुभारंभ किया गया। इसके बाद कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ बालूसरी, केरल परिसर के छात्र-छात्राओं ने 'भगवदज्जुकीयम्' नाटक का मंचन किया। यह बोधायनाचार्य द्वारा लिखित संस्कृत साहित्य का प्रसिद्ध प्रहसन है। कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल के छात्रों ने महाकवि शंखधर रचित 'लटकमेलकम्' नाटक का मंचन किया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, रणवीर परिसर जम्मू की ओर से वत्सराज प्रणीत 'हास्यचूड़ामणि' की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम में 15 राज्यों के 600 छात्र छात्राएं, प्रो. फतह सिंह, प्रो. कुलदीप शर्मा, प्रो. कृष्णा शर्मा, प्रो. सतीश कुमार शर्मा, डॉ. धर्मपाल प्रजापत, प्रो. धर्मेन्द्र पाठक, डॉ. नमिता मित्तल, डॉ. लोकेश कुमार गुप्ता सहित सैकड़ों संस्कृत अनुरागी उपस्थित रहे।

साकार हुई देश की बहुरंगी संस्कृति

रूपक महोत्सव-2024 के संयोजक प्रो. कुलदीप शर्मा ने बताया कि चार दिन चलने वाले रूपक महोत्सव में भारत के विविध राज्यों से आए विविध प्रतिभागी भारत की विविधता में एकता को प्रदर्शित कर रहे हैं। इस महोत्सव में संस्कृत के अतिरिक्त प्राकृत, तमिल, राजस्थानी, डोगरी, कन्नड़ तथा मलयालम आदि भाषाओं में भी प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

SKIT में हुआ आयोजन

'यसिस्ट' में स्टूडेंट्स ने दिखाया टैलेंट

बेधड़क | जयपुर

एसकेआईटी के आईईईई कंप्यूटर सोसाइटी स्टूडेंट ब्रांच चैप्टर ने आईईईई राजस्थान सबसेक्शन के सहयोग से 5 मार्च को जेसी बोस ऑडिटोरियम में देश भर के छात्रों के लिए इंटरनेशनल प्रोजेक्ट इनोवेशन चैलेंज प्रोग्राम 'यसिस्ट' का आयोजन किया। यसिस्ट प्रतियोगिता के पहले दौर की मेजबानी के लिए 15 देशों के 61 पायलट संस्थानों में से एक के रूप में एसकेआईटी को चुना गया।

इसमें प्रोजेक्ट एक्सपो के कार्यक्रम के दौरान बहुत ही आकर्षक और अभिनव परियोजनाओं का प्रदर्शन किया गया। दिल्ली, यूपी, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे विभिन्न राज्यों की कई टीमों ने भाग लिया। सलाहकार डॉ. नीलम चौधरी ने जूरी और प्रतिभागियों का औपचारिक रूप से स्वागत किया। माइक्रोसॉफ्ट के वरिष्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर दिग्विजय सिंह चौहान, सुमित कुमार, प्रो. मुकेश अरोड़ा, डॉ. पीके जैन, डॉ. रुखसार जफर, आस्था जोशी आदि ने सत्र का उद्घाटन किया। जूरी ने छात्रों को अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत करने का सुझाव दिया और व्यक्त किया कि उनकी परियोजनाओं को समाज को कैसे प्रभावित करना चाहिए। कार्यक्रम में कुल 16 टीमों ने भाग लिया, जिसमें से प्रथम स्थान पर टीम रेनेक्स रही जिसके टीम लीडर छात्र साईं महाराजन हैं। दूसरे स्थान पर टीम जेनेसिस रही जिसके टीम लीडर छात्र सुयश वशिष्ठ हैं। जूरी ने विजेता टीमों को बधाई दी और बताया कि विजेता टीम ग्रैंड फिनाले में भाग लेने के लिए सितंबर में ट्यूनीशिया जाएगी। कार्यक्रम के अंत में जागृति पारीक उपाध्यक्ष कंप्यूटर सोसायटी छात्र शाखा चैप्टर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस कार्यक्रम की योजना और क्रियान्वयन आईईईई कंप्यूटर सोसायटी चैप्टर के अध्यक्ष अंश कुमार और एमटीटी-एस के अध्यक्ष संस्कार चतुर्वेदी ने किया। अध्याय सचिव अंश जैन एवं कोषाध्यक्ष क्षितिज अग्रवाल ने संयोजन किया।

सुर-ताल की जुगलबंदी से स्टूडेंट्स ने बांधा समां

बेधड़क | जयपुर

जयश्री पेड़ीवाल हाई स्कूल (प्राइमरी विंग) का वार्षिकोत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह बुधवार को स्कूल के महापुरा स्थित कैंपस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 'जेपिआइट्स सिनफोनिएटा' स्कूल आर्केस्ट्रा से हुई। बच्चों ने वाद्य यंत्रों की मधुर सरगम, लय व ताल की जुगलबंदी ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। हैड गर्ल हियांशी शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का स्वागत किया। अकादमिक निदेशक आयुष पेड़ीवाल और आकृति पेड़ीवाल ने छात्र परिषद सहित वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए स्कूल की साल भर की उपलब्धियों का ब्यौरा दिया गया।

पहल | **RU महिला अध्ययन केंद्र में 'शक्ति'**

मंच पर सम्मान मिला तो भावुक हो उठीं नैना देवी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय महिला अध्ययन केंद्र की ओर से बुधवार को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय शक्ति कार्यकम प्रारम्भ हुआ। इस कार्यकम का उद्घाटन राजस्थान विश्वविद्यालय में कार्यरत एक वरिष्ठ महिला सहायक कर्मचारी नैना देवी मीणा ने किया। उद्घाटन कार्यकम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने की। इस अवसर पर कुलपति ने कार्यकम में उपस्थित विश्वविद्यालय की सभी महिला सहायक कर्मचारियों को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित कर उन्हे पुष्प देकर सम्मानित किया। महिला अध्ययन केन्द्र की निदेशक प्रो. कनिका वर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में संभवतः पहली बार किसी महिला सहायक कर्मचारी को ऐसे विशेष कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनाया गया है। अपने पति की मृत्यु के बाद घरेलू महिला के दायित्वों के साथ अपने पारिवारिक दायित्वों को निभाने वाली विश्वविद्यालय की इस सहायक कर्मचारी नैना देवी ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में भावुक होते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें आजीवन याद रहेगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय की पूर्व एवं कार्यरत वरिष्ठ महिला शिक्षक, छात्राएं भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा ने कहा कि महिला सशक्तिकरण का उद्देश्य न केवल महिलाओं की समाज में भागीदारी सुनिश्चित करना है, अपितु उनको समाज में उचित सम्मान दिलवाना भी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए आज विश्वविधालय की नींव की मजबूत इकाई हमारी सेवा कर्मचारी संवर्ग की महिलाओं को आमंत्रित कर सामाजिक दूरी के सभी भेदों को खत्म करने की दिशा में एक कदम उठाया गया है।

प्रदर्शनी में दिखाए नवाचार

कार्यक्रम में विभिन्न महिला उद्यमी, छात्राओं, स्वयं सहायता समूह, समाज सेवा के प्रकल्पों ने विभिन्न स्वेदशी नवाचारों को प्रदर्शित करते हुए प्रदर्शनी लगाई। इसमें विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र, बैंक व शिक्षा क्षेत्र से सेवानिवृत्त अनेक महिलाओं ने समाज में परिवर्तन लाने के उद्देश्य से अपने अनेक नवाचार प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किए। इन नवाचारों में कचरे के प्रबंधन से उपयोगी सजावटी सामग्री बनाना, प्राकृतिक रंगों से रंगे परिधान, हस्तनिर्मित आभूषण, इको फ्रेंडली उत्पाद, मोटे अनाज युक्त खाद्य सामग्री, ध्यान से जुड़ी पुस्तकें, स्वेदशी पेय पदार्थ आदि प्रमुख रहे। महात्मा गांधी हॉस्पिटल एवं केलगिरी आई हॉस्पिटल द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर व स्वास्थ्य चर्चा आयोजित की गई। 'एक सुंदर दुनिया की हिमायत में स्त्री केंद्रित स्वर' विषय पर काव्य पाठ का आयोजन भी हुआ।

दृष्टिकोण- राजनीति का व्यक्ति केंद्रित होना चिंताजनक

राजेंद्र बज
स्वतंत्र टिप्पणीकार

वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का प्रतिरूप दिखाई देता है। यही नहीं अपितु निरंतर कमजोर होता प्रतिपक्ष अस्तित्व की लड़ाई लड़ता नजर आता है। यह स्थिति लोकतंत्र के भविष्य की दृष्टि से चिंताजनक प्रतीत होती है। हालांकि हमारे देश में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी। हमने पीढ़ियों की पराधीनता के पश्चात स्वतंत्रता का रसास्वादन करते हुए लोकतंत्र को अपने आचार विचार और व्यवहार में आत्मसात किया है।

बावजूद इसके इस समय देश में जो राजनीतिक परिस्थितियां दिखाई देती है, उसे स्वस्थ लोकतंत्र के अनुरूप नहीं कहा जा सकता। दरअसल लोकतंत्र की गाड़ी के पक्ष और प्रतिपक्ष रूपी चक्र में संतुलन होने पर लोकतंत्र की सार्थकता स्वाभाविक रूप से सिद्ध होती है। लेकिन इस समय देश की राजनीतिक परिस्थितियों में ऐसा संतुलन बनता दिखाई नहीं देता। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में सशक्त प्रतिपक्ष, सत्तापक्ष की निरंकुशता पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने में सहायक सिद्ध होता है। परस्पर विपरीत विचारधारा के बावजूद सत्तापक्ष तथा प्रतिपक्ष परस्पर पूरक होते हैं। किसी एक पक्ष के कमजोर हो जाने पर लोकतंत्र को सार्थक स्वरूप नहीं दिया जा सकता।

दोनों ही पक्ष अलग-अलग भूमिका का निर्वहन करते हुए व्यापक जनहित के प्रति समर्पित रहने की रीति-नीति को आत्मसात करते हैं। समान लक्ष्य के साथ भिन्न-भिन्न विचारधाराएं, अलग-अलग प्राथमिकता लिए होती है। दोनों ही पक्षों में स्वाभाविक रूप से समय-समय पर होने वाली टकराहट भी " लोकतंत्र की प्रासंगिकता " को रेखांकित करते हुए जनकल्याण की भावनाओं को मूर्त रूप प्रदान करती है। इन संदर्भों के साथ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्वाभाविक रूप से करारी हार की हताशा से आहत प्रतिपक्ष अपना आत्मविश्वास न खो बैठे, यह चिंता की जाना लोकतंत्र की सार्थकता के लिए अत्यंत

> *"प्रतिपक्ष सत्ता में आने की आतुरता का भाव लिए अपनी भूमिका को सतर्कता से निभाए। निश्चित ही जब सत्तापक्ष तथा प्रतिपक्ष अपने-अपने राजनीतिक धर्म का परिपालन करते रहेंगे, तब हम विकसित भारत की परिकल्पना को साकार स्वरूप लेते हुए देखते रह सकेंगे। वर्तमान राजनीतिक संदर्भ में प्रतिपक्ष एकला चले या संयुक्त रूप से चले। लेकिन चले जरूर, चले और फिर दौड़े जरूर, क्योंकि जो आज सत्ता में हैं वे भी ऐसे ही दौर से गुजरकर आज के मुकाम तक पहुंचे हैं।"*

आवश्यक है। निश्चित रूप से नया जनादेश राजनीति में नए दौर की जरूरत पर बल देता है। परंपरागत रूप से जिन मुद्दों को उछालकर चुनावी वैतरणी पार की जाती रही थी, निरंतर परिवर्तित दौर में वे सारे मुद्दे सर्वथा अप्रासंगिक करार दिए जा चुके हैं। अब राजनीतिक तौर-तरीकों में सकारात्मक परिवर्तन आता दिखाई देता है। विभिन्न प्रति प्रतिपक्षी दलों को जागृत मतदाताओं की मानसिकता के अनुरूप अपनी-अपनी प्राथमिकताओं में आमूलचूल परिवर्तन कर लेना चाहिए।

जनादेश द्वारा जातिवाद, तुष्टीकरण, वंशवाद तथा अलगाववाद को सर्वथा नकार दिया गया है। दरअसल परिवर्तित जनमानस द्वारा दिए जा रहे संकेतों को समझना प्रतिपक्षी राजनीतिक दलों के लिए अत्यंत आवश्यक है। नागरिकों ने प्रकारांतर से नकारात्मक राजनीति को हतोत्साहित करते हुए, दिए जा रहे तमाम प्रलोभनों को ठुकराया है।

ऐसे में प्रतिपक्षी दलों के लिए यही बेहतर रहेगा कि तर्क की कसौटी पर खरे उतरते मुद्दों के सहारे ही राजनीतिक गतिविधियां संचालित की जाए। सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना को साकार सिद्ध करने की दिशा में जिन-जिन राजनीतिक दलों के पास जो-जो कार्ययोजनाएं हैं, उसे नागरिकों के सामने रखी जाना चाहिए। ऐसा होने पर ही करारी चोट खाए राजनीतिक दल अपने पैरों पर खड़े हो सकते हैं और समय आने पर दौड़ भी सकते हैं। अन्यथा घुटनों के सहारे टिका प्रतिपक्ष निश्चित तौर पर पंगु बनकर रह जाएगा। मनोवैज्ञानिक रूप से करारी शिकस्त, प्रतिपक्ष का आत्मबल कुंठित कर सकती है। लेकिन प्रतिपक्ष को अपनी ऊर्जा एवं चेतना का अविरल प्रवाह जारी रखना होगा। उन्हें संभलना होगा, समर्थकों को साधे रखना होगा, अपना आत्मविश्वास जगाना होगा और लोकतंत्र की सार्थकता सुनिश्चित करने हेतु सशक्त प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वहन भी करना होगा।

यह हमारे लोकतंत्र की परिपक्वता का ही अद्भुत चमत्कार है कि लगभग शून्य से शिखर तक का सफर वर्तमान सत्तारूढ़ पार्टी ने हमारे सामने ही पूरा किया है। दरअसल प्रतिपक्ष को आत्मविश्वास जागृत करने की नितांत आवश्यकता है। लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में प्रतिपक्ष के सम्मुख अस्तित्व का संकट, आंशिक तौर पर ही सही किंतु लोकतंत्र के शुभचिंतकों के लिए चिंता का विषय है। कुल मिलाकर मुद्दे की बात यह कि बेहतर हो यदि सत्तापक्ष निरंकुश न हो जाए, व्यापक जनमत का समर्थन दंभ का कारण न बन जाए, साथ ही गिरते हुए को और अधिक न गिराया जाए। ऐसी चिंता दलगत राजनीति से परे राष्ट्रवादी नागरिकों के अंतर्मन में होना स्वाभाविक है। इस तथ्य को भी बखूबी समझ लिया जाना चाहिए कि देश के नागरिकों का राजनीति के प्रति जितना अधिक विरक्ति भाव होगा उतनी ही अधिक संभावना लोकतंत्र के एकतंत्र में परिवर्तित होने को लेकर होगी।

सत्तामद में अति न हो, सशक्त प्रतिपक्ष की उपस्थिति ही ऐसा सुनिश्चित कर सकती है। अन्यथा स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसा भी दौर आया था जिसने लोकतंत्र के नुमाइंदों के बीच जमकर कोहराम मचा कर रख दिया था। दरअसल हमें इतिहास से सतर्कता की सीख मिले तो ऐसी सीख ले लेनी चाहिए। आशा की जानी चाहिए कि लोकतंत्र की बगिया में रंग बिरंगे फूल खिलते रहे और अपनी महक बिखेरते रहे। आम नागरिक जिनका राजनीति से नाता हो या न हो लेकिन वह भी यही चाहेंगे कि सरकार सशक्त हो और प्रतिपक्ष भी सशक्त हो। सरकार प्रतिपक्ष का भय पालें और कुछ गलत न करें।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

राजनीतिक आशय के साथ-साथ आर्थिक महत्व भी

विरासत के साथ विकास का नेरेटिव

प्रेम प्रकाश
स्वतंत्र टिप्पणीकार

> *"भाजपा के केंद्र की सत्ता में आने के बाद नीति आयोग के गठन के पीछे भी तर्क और मकसद यही रहा है कि इससे सहकारी संघवाद की भावना को योजनागत और ढांचागत समर्थन मिलेगा। बजट पेश करने के समय व तारीख से लेकर कर ढांचा और योजना आयोग की बदली भूमिका देश में एक दशक में आए बदलावों की गवाही हैं।"*

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने हाल में देश की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर जो दावा किया है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर आशंकाओं को निर्मूल साबित करता है। 2023-24 की तीसरी तिमाही में विकास दर का बढ़कर 8.4 प्रतिशत पहुंचना, खुद रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के आकलन से ज्यादा है। ऐसे में जो बात ज्यादा महत्वपूर्ण है वह यह कि भारत की इस आर्थिक कामयाबी का महत्व सिर्फ आंकड़ों में है या इसके पीछे कोई सुविचारित दृष्टि भी है। इस लिहाज से यह देखना-समझना खासा दिलचस्प है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अठारहवीं लोकसभा चुनाव से पहले एक खास नेरेटिव को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं।

उनका यह नेरेटिव जहां 2047 तक विकसित भारत के संकल्प से जुड़ा है, वहीं वे बीते एक दशक के भीतर उभरे भारत के नए विकासवादी चरित्र की बात भी जोर-शोर से कर रहे हैं। प्रधानमंत्री इस बात को संसद के अंदर और बाहर लगातार दोहरा रहे हैं कि बीते एक दशक में उन्होंने भारतीय इतिहास, संस्कृति और परंपरा को केंद्र में रखकर कार्य किया है। उनका दावा है कि इस विजन और अप्रोच के कारण अभाव और अफसोस की दशकों की मानसिकता से देश का अर्थतंत्र बाहर आया है। हाल में जब प्रधानमंत्री अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी पहुंचे तो आस्था और विरासत के साथ विकास को अपनी सरकार की उपलब्धि के तौर पर गिनाया। कुछ इसी तरह की बात उन्होंने इससे पहले लखनऊ में चौथी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में भी कही थी। ये सारे प्रयास उस दिशा और मंशा को साफ करते हैं, जिससे देश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विभिन्नता के बीच आर्थिक विकास की क्षमता और संभावना का विकेंद्रित चरित्र को नया उभार मिले।

स्वाभाविक तौर पर विश्व की शीर्ष तीसरी अर्थव्यवस्था तक पहुंचने के विजन और संकल्प के लिए जो बात सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, वह है इसमें राज्यों का आर्थिक विनियोग। अगर राजनीतिक के बजाय से आर्थिक दृष्टि से मूल्यांकन करें तो आज जो राज्य विकास की दृष्टि से थोड़ा पीछे दिखाई देते हैं, वहां नेतृत्व और उसके विजन की कमजोरी साफ दिखाई देते हैं। गौरतलब है कि भाजपा के केंद्र की सत्ता में आने के बाद नीति आयोग के गठन के पीछे भी तर्क और मकसद यही रहा है कि इससे सहकारी संघवाद की भावना को योजनागत और ढांचागत समर्थन मिलेगा। बजट पेश करने के समय व तारीख से लेकर कर ढांचा और योजना आयोग की बदली भूमिका देश में एक दशक में आए बदलावों की गवाही हैं।

बीते करीब एक दशक में देश में विकास के जो नए मस्तूल खड़े हुए हैं, उसके साथ एक अहम बात यह भी है कि आस्था और विकास का नए आर्थिक साझे पर जोर लगातार बढ़ा है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई प्रदेशों के आर्थिक चरित्र के केंद्र में लोक आस्था को महत्ता प्रदान की है। गुजरात, मध्य प्रदेश से लेकर उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में इस दौरान कई ऐसी पहल हुई है, जो आस्था के पुराने केंद्रों को खासतौर पर पर्यटन और उससे जुड़े बाजार और रोजगार के लिहाज से महत्वपूर्ण बना दिया है। इस दृष्टि से हाल में प्रधानमंत्री द्वारा खासतौर पर यूपी के धार्मिक महत्व वाले शहरों में 86 हजार करोड़ रुपए की लागत से करीब 500 परियोजनाओं की घोषणा की गई है। इन परियोजनाओं से करीब ढाई लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। साफ दिख रहा है कि खासतौर पर श्रीकाशी विश्वनाथ धाम के निर्माण और अयोध्या धाम में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद निवेशक धार्मिक शहरों में काफी रुचि दिखा रहे हैं।

इन दिनों राजस्थान, उत्तराखंड से लेकर दक्षिण के राज्यों में जहां भी प्रधानमंत्री पहुंच रहे हैं, वे वहां की भौगोलिक और सांस्कृतिक विलक्षणता के साथ आर्थिक सशक्तता के बीच बन रही नई अनुकूलता की चर्चा जोशो-खरोश के साथ करते हैं। अलबत्ता यह जरूर है कि ऐसे मौकों पर वे डबल इंजन की सरकार के राजनीतिक लाभ गिनाने में भी नहीं चूकते हैं। इस बात के आर्थिक के साथ लोकसभा चुनाव से पहले गंभीर सियासी मायने भी हैं कि जब वे दस लाख करोड़ की परियोजनाओं के भूमि पूजन के लिए लखनऊ पहुंचे तो उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रदेश को वन ट्रिलियन इकोनॉमी बनाने के संकल्प को महत्वपूर्ण बताया। गौरतलब है कि यूपी देश का सबसे बड़ा सूबा है और दो बार से नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र भी इसी राज्य में है। लिहाजा उनके प्रधानमंत्रित्व काल में जो बड़ा बदलाव देश में आया है उसमें यह प्रदेश स्वाभाविक तौर पर काफी आगे है। इसमें कहीं दो राय नहीं कि गुजरात का विकास मॉडल आज उत्तर प्रदेश की जमीन पर नया विस्तार पा रहा है। यह प्रदेश आज देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इस बदलाव के मायने इस लिए भी खास हैं कि क्योंकि यह सब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में हुआ है। वैसे नए विकासवादी रुझान के साथ परिवर्तन के साक्ष्यों के बीच यह तथ्य भी उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड जैसे सूबे इस दौरान विकास की दौड़ में ज्यादा आगे नहीं बढ़ सके हैं।

बड़ी बात यह है कि है कि इन प्रदेशों की राजनीतिक स्थिति में लगातार एक ठहराव बना हुआ है। एक खास तरह के सामाजिक वर्गीकरण की राजनीति इन सूबों को नए विकास मूल्यों और तकाजों से जुड़ने नहीं दे रही है। यही वजह है कि इन प्रदेशों में विकास का समावेशी चरित्र गुणात्मक रूप से ज्यादा प्रभावी नहीं दिखता। अलबत्ता देश में इस बीच जनजातीय या पर्वतीय क्षेत्र में विकास के नए मॉडल छत्तीसगढ़ और ओड़ीशा जैसे प्रदेशों में जरूर विकसित हुए हैं। 2018 में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के 'कालाहांडी डायलॉग' से शुरू हुआ बदलाव का सिलसिला इस मायने में असरदार है कि केंद्र सरकार तक का फोकस आज पीएम-जनमन के जरिए जनजातीय क्षेत्रों के विकास और समृद्धि पर है। लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री जिस तरह देश के जनजातीय समाज को अपने से जोड़ने में लगे हैं, उसका राजनीतिक आशय तो है ही, आर्थिक महत्व भी है। विकास की मुख्यधारा के साथ आदिवासियों का आनुषांगिक रूप से जुड़ना विकास के सर्व-समावेशी दरकार को कमजोर करता है। साफ है कि विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का संकल्प दिखाने वाला देश इस कमजोरी के साथ आगे नहीं बढ़ सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

वक्त के दौर को जो न समझ सके...

पवन कुमार पाण्डेय
व्यंग्यकार

जिन खोजा तिन पाइयां, गहरे पानी पैठ। सच है, जिसने जनता के मन में गहरी पैठ एक बार बना ली, उसे उस ह्रदय से हटाना या मिटाना असंभव हो जाता है। अंग्रेजी भाषा में भी कहावत है- 'फर्स्ट इंप्रेशन इज द लास्ट इंप्रेशन।' तो भइया जी, बात इत्ती-सी है कि आज के दौर में यदि मामूली-नामामूली, सभी दौलत के पीछे भाग रहे हैं तो अगर नेता भी भागें तो गलत क्या है? वो भी अपने बच्चों के भविष्य के लिए दौड़ेंगे जैसे आप दिन-रात एक कर देते हैं। नेता लक्ष्मी रूपी जनता के मन को अपना बनाने के लिए तन-मन-धन से लग चुके हैं या यूं कहें कि एक बार फिर अपने फायदे के लिए इसकी टोपी उसके सिर करने को तैयार हो चुके हैं।

अरे, अरे, हा साहब, सही सोच रहे हैं आप भी। कमल के जरिये कोई लक्ष्मी पाना चाहता है तो कोई अपने हाथ की रेखाओं में अपनी जीवन-लक्ष्मी यानि जिंदगी, जिंदगी का लक्ष्य और आजीविका का साधन खोजने में व्यस्त है। हस्तरेखाओं का जाल भी इतना सघन होता है कि जीवन रेखा एकदम से ढूंढना कठिन होता हैं। बहुत कशमकश होती है। ऐसी ही कशमकश कुछ इस समय देखने को मिल रहा है। ज्योतिषाचार्य लगे हुए हैं लोकतंत्र के महानाटक की आकाशीय नक्षत्रों की स्थिति की कुंडली बनाने में और भावी सरकार की सीटे गिनने में, पर.....यह इतना आसान कहां है? मौके का लाभ उठाकर कुछ ने अपनी ढपली -अपने राग अलापने शुरू कर दिए थे उसका लाभ मिला।

ऐसा लगता है कि कोई किसी की नहीं सुन रहा सब अपनी धुन में चले जा रहे हों। नवोदित नेताजी ताल ठोक रहे हैं कि हमने तो विकास ऐसे मॉडल के रूप में प्रोजेक्ट कर दिया है जो जनता ने कभी सोचा ही नहीं था। लेकिन मेरे भाइयो, शहर गांव की स्थिति सभी के सामने है, किसी से छुपी नहीं है, लेकिन वह ताल ठोक रहे हैं। देश, प्रदेश, जिले में बहुत बड़े बड़े कार्यक्रम हुए, क्षेत्र भी अपना, दबदबा भी अपना, नाम भी हुआ अपना, मगर कार्यक्रम निबटने के बाद समझ नहीं आता स्थानीय नेताजी को कि क्या बचा है अपना। अब सब कुछ भगवान भरोसे छोड़ दिया, जो होगा अच्छा होगा यही मन में तसल्ली है। समय ही बताएगा कि किस करवट ऊंट बैठेगा। जनता बहुत भोली दिखती है, किंतु समय के साथ समझदार हो गई है। वह कहती है कि आप खुद एक नहीं हैं तो हमें एकजुट कैसे करोगे?

अरे यार क्यों टेंशन ले रहे हो, फालतू बीपी की गोली लेनी पड़ जाएगी। फिर सोच लो इलाज का घाट एक ही है। गोली देना, गोली खिलाना, गोली बांटना तो हमारे यहां की आन-बान-शान है। ओहहहह... हो, आप गलत समझ रहे हैं, जनता भी गोलियां देने में माहिर है, दिखाती कुछ है, बोलती कुछ है, करती कुछ है और होता कुछ अलग ही है। कोई बात नहीं! चलिए, चलें उस समय की ओर जब परिणाम पर नजर रहेगी, वही बताएगा कि गोली दी गई है या सही चुनाव हुआ है। चलते-चलते आज का जुमला, 'वक्त के दौर को जो न समझ सके, वो सदा पछताते रहे हैं, लोक मुकद्दर की राह तकते रहे, और फिर हाथ अपने मलते रहे हैं।' आप कितना-क्या समझे, यह आपकी समझदारी जाने, हम तो चले अपनी सरकार बनाने।

X

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi
मैंने छोटी-सी आयु में देशभर का परिवार-भाव तब महसूस किया था, जब मेरे पास कुछ भी नहीं था। इसलिए मैं कहता हूं कि 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं।

अमित शाह, गृह मंत्री
@AmitShah
मोदी जी ने हमारी अर्थव्यवस्था को आकार दिया है और नीति-संचालित राज्य का सबसे अच्छा उदाहरण दिया है।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
संतों के आशीर्वाद के बिना कोई काम नहीं होता है। मेरे और राजस्थान के ऊपर संतों की कृपा है। इसी वजह से ERCP और यमुना जल समझौता हो पाया है।

नॉलेज कॉर्नर: दुनिया की टॉप 10 यूनिवर्सिटी

यहां से पढ़ाई करना हर छात्र का सपना

विदेश में पढ़ना आजकल हर स्टूडेंट का सपना है। दुनियाभर में शानदार शिक्षा के लिए मशहूर यूनिवर्सिटीज की भरमार है लेकिन फिर भी दुनिया की कुछ यूनिवर्सिटी हैं जिन्हें उनकी खासियतों के कारण शिक्षा की दुनिया में अलग ही मुकाम हासिल है। इन यूनिवर्सिटीज ने दुनिया को टॉप लीडर्स, बिजनेस पर्सन्स और सेलिब्रिटीज दिए हैं। आज के लेख में प्रस्तुत हैं दुनिया की टॉप टेन यूनिवर्सिर्टीज का लेखा जोखा। हालांकि टॉप टेन यूनिवर्सिटीज के अलावा दुनियाभर की कुछ और शानदार यूनिवर्सिटीज भी हैं जहां पढ़ने के लिए भी काफी मशक्कत करनी पड़ती है। आज के नॉलेज कॉर्नर में जानते हैं इनकी खासियत के बारे में...

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी

दुनियाभर में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पहले स्थान पर है। यहां पर कई तरह के कोर्स कराए जाते हैं। यहां पर विदेशी छात्रों के लिए भी कई सीटें आरक्षित हैं। इसकी स्थापना 1636 में हुई थी। फेसबुक फाउंडर मार्क जुकरबर्ग इस यूनिवर्सिटी से निकले हैं। भारत से भी बड़ी संख्या में छात्र यहां पर एडमिशन लेते हैं।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी

डार्विन, न्यूटन, स्टीफन हॉकिंस जैसे साइंटिस्ट देने वाली कैंब्रिज यूनिवर्सिटी दुनियाभर में दूसरे स्थान पर है यहां पर भी बड़ी संख्या में हर वर्ष भारतीय छात्र पढ़ने के

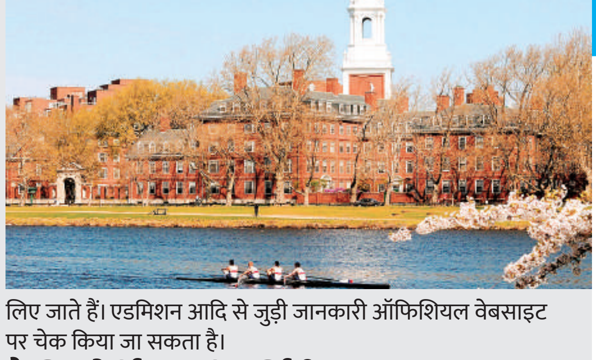

लिए जाते हैं। एडमिशन आदि से जुड़ी जानकारी ऑफिशियल वेबसाइट पर चेक किया जा सकता है।

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी

कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी तीसरे स्थान पर है। बर्कले कैलिफोर्निया में राज्य का पहले सार्वजनिक भूम-अनुदान अनुसंधान विवि है। यह 300 से अधिक डिग्री प्रोग्राम्स ऑफर करती है। यहां 40 हजार से अधिक स्टूडेंट्स पढ़ते हैं।

एमआईटी

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कैम्ब्रिज का चौथा स्थान है। यहां पर विभिन्न मैनेजमेंट और डिप्लोमा कोर्स कराए जाते हैं। इसकी स्थापना 1861 में हुई थी। कॉफी अन्नान यहां के छात्र रहे हैं।

टॉप 10 में ये पांच यूनिवर्सिटीज भी शामिल

- कोलंबिया यूनिवर्सिटी
- स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी
- इंपीरियल कॉलेज ऑफ लंदन
- यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो
- नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर

ऑक्सफोर्ड का पांचवां स्थान

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का पांचवां स्थान है। यह विवि इंग्लैंड में स्थित है। यह विश्व का दूसरा सबसे पुराना विवि भी है। टोनी ब्लेयर, आंग सान सू की, ऑस्कर वाइल्ड से लेकर इंदिरा गांधी तक यहां की छात्र रही हैं। शिक्षा जगत में इस यूनिवर्सिटी का अहम स्थान है।

कंटेंट: नरेंद्र शर्मा

महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ व विपक्षी खेमे ने अपने-अपने घटकों का सीटों पर फॉर्मूला किया तय

राजग में भाजपा व एमवीए में उद्धव ठाकरे रहेंगे बड़े भाई की भूमिका में

एजेंसी | नई दिल्ली/मुंबई

महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति (ग्रैंड अलायंस) और विपक्षी गठबंधन इंडिया दोनों खेमों ने सीटों के बंटवारे की गुत्थी सुलझा ली है। सत्तारूढ़ गठबंधन में भाजपा के खाते में सर्वाधिक 32 सीटें आई हैं जबकि विपक्षी खेमें में उद्धव ठाकरे बड़े भाई की भूमिका में रहेंगे क्योंकि उनकी पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें मिल रही हैं। महाराष्ट्र में कुल 48 लोकसभा सीटें हैं सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र में 2024 लोकसभा चुनावों के लिए महायुति (ग्रैंड अलायंस)/राजग के घटक दलों के बीच सीटों की संख्या तय हो गई है। केंद्रीय गृह अमित शाह के दौरे से पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना ने 22 सीटों की मांग की थी, तो वहीं अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने 18 सीटों पर दावा जताया था। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ बैठक के बाद महायुति के घटक दलों में सीट शेयरिंग पर मुहर लग गई है।

शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के खाते में 11 और अजित पवार को पांच सीटें मिली हैं। महायुति में सीट शेयरिंग का पेच सुलझने के बाद अब भाजपा महाराष्ट्र के लिए लोकसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों का ऐलान कर सकती है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के मुंबई से लड़ने की चर्चा चल रही है। राज्य में भाजपा पहली बार इतनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। अभी तक राज्य में भाजपा ने सर्वाधिक 26 सीटें पर लोकसभा चुनाव लड़ा है। भाजपा ने 2014 में कुल 24 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

महायुति/ राजग

- भाजपा 32
- शिंदे नीत शिवसेना 11
- अजित पवार नीत राकांपा 5

प्रकाश अंबेडकर की पार्टी एमवीए के साथ आई

दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन इंडिया-एमवीए ने भी महाराष्ट्र को लेकर सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला निकाल लिया है। सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी को 15 सीटें मिलेंगी। जबकि उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना 23 लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़ा करेगी। वहीं, शरद पवार गुट की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी राज्य की 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। प्रकाश अंबेडकर की वंचित बहुजन आघाडी भी महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन की साझेदार है। ऐसे में उसे मिलने वाली सीटें शरद पवार गुट की एनसीपी से मिलेंगी। अगले दो दिनों में प्रकाश अंबेडकर को अपना निर्णय बताना है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया

- उद्धव नीत शिवसेना 23
- कांग्रेस 15
- शरद पवार नीत राकांपा 10

इस दिन होगी अगली बैठक

एमवीए की बैठक समाप्त होने के बाद कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट ने कहा, बैठक अच्छी रही और आशा करता हूं कि इसका परिणाम भी अच्छा रहे। वीबीए प्रमुख के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ऐसा कुछ भी नहीं है। अगली बैठक जल्द होगी। सीट बंटवारे को लेकर महाविकास अघाड़ी की अगली बैठक नौ मार्च को होगी।

TMC को झटका तापस रॉय भाजपा में शामिल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में संदेशखाली के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस से इस्तीफा देने वाले तापस रॉय बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए हैं। रॉय भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी और प्रदेश अध्यक्ष सकुांत मजूमदार की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। रॉय कांग्रेस से तृणमूल कांग्रेस में आए थे। रॉय ने इस्तीफे के बाद आरोप लगाया था कि जब उनके खिलाफ ईडी ने कार्रवाई की थी तो तृणमूल कांग्रेस ने उनका साथ नहीं दिया था। रॉय ने यह भी कहा था कि उन्हें पार्टी में उचित स्थान नहीं मिला। रॉय ने टीएमसी की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए थे।

खुद को बताया था 'आजाद पंछी': रॉय ने विधायक पद से इस्तीफा देते हुए तृणमूल कांग्रेस को छोड़ने का ऐलान किया था। तब रॉय ने विधानसभा अध्यक्ष इस्तीफा सौंपने के बाद कहा था कि मैं अब एक स्वतंत्र पंछी हूं।

सनातन धर्म मामले में उदयनिधि और ए राजा को राहत

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयान पर डीएमे नेता उदयनिधि स्टालिन और ए राजा के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी है। दरअसल उदयनिधि स्टालिन, पीके शेखर बाबू को विधायक और डीएमके सांसद ए राजा को सांसद पद से हटाने की मांग को लेकर याचिका दायर की गई थी। इस याचिका के खिलाफ डीएमके नेताओं ने मद्रास हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस अनिता सुमंत की पीठ ने डीएमके नेताओं को राहत देते हुए उनके खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। वकील पी विल्सन ने कहा कि हिंदू मुन्नानी की टीम ने डीएमके नेताओं के खिलाफ क्यु वारंटो याचिका दायर की थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया।

पीएम मोदी का पश्चिम बंगाल व बिहार का दौरा, सभाओं को किया संबोधित

ममता सरकार और लालू पर प्रहार

संदेशखाली से शुरू हुआ तूफान बंगाल के हर कोने में पहुंचेगा

PM से मुलाकात में पीड़िताओं का छलका दर्द, सुनाई व्यथा

एजेंसी | कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पश्चिम बंगाल में संदेशखाली की महिलाओं से मुलाकात की। इनमें संदेशखाली में हाल की घटनाओं से पीड़ित महिलाएं भी थीं। इस दौरान पीड़ित महिलाओं ने प्रधानमंत्री को आपबीती सुनाई और पीएम मोदी ने ध्यान से उनकी व्यथा सुनी। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिलाएं गुस्से में हैं और संदेशखाली में शुरू हुआ तूफान केवल द्वीप तक ही सीमित नहीं रहेगा बल्कि राज्य के हर कोने तक पहुंचेगा। पीड़ित महिलाएं पीएम मोदी से मिलकर भावुक हो गईं और उनका दर्द छलक पड़ा। प्रधानमंत्री ने उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट में एक रैली को भी संबोधित किया। संदेशखाली की घटना को लेकर उन्होंने कहा कि बंगाल की ये भूमि नारी शक्ति की बहुत बड़ी प्रेरणा केंद्र रही है, लेकिन इसी धरती पर टीएमसी के राज में नारी शक्ति के खिलाफ घोर पाप हुआ। पीएम मोदी ने ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा।

सभी कह रहे अबकी बार राजग 400 पार

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार के काम को देखकर पूरा देश, पश्चिम बंगाल और हर माता-बहन कह रही है कि अबकी बार 400 पार, अबकी बार एनडीए सरकार 400 पार। पीएम ने कहा कि पूरा देश ही भाजपाका परिवार है। ये विशाल कार्यक्रम इस बात का साक्षी है कि भाजपा कैसे नारी शक्ति को विकसित भारत की शक्ति बना रहा है।

क्या है संदेशखाली मामला

संदेशखाली की कई महिलाओं ने बीते दिनों शाहजहां शेख समेत कई टीएमसी नेताओं पर उनकी जमीनों पर कब्जा करने और यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए थे। इसके चलते संदेशखाली में काफी हंगामा हुआ था।

युवाओं का पलायन बिहार के लिए बड़ी चुनौती

जंगलराज लाने वालों ने सिर्फ अपने परिवार की चिंता की

एजेंसी | पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पश्चिम बंगाल में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद बिहार पहुंचे। उन्होंने बेतिया में एक रैली को संबोधित किया। उन्होंने राजद पर प्रहार करते हुए कहा कि जब बिहार में जंगलराज आया, तो ये पलायन और ज्यादा बढ़ गया। जंगलराज लाने वाले लोगों ने सिर्फ अपने परिवार की चिंता की। बिहार के लाखों बच्चों का भविष्य दांव पर लगा दिया।

राम मंदिर बनने से रोक रहे थे परिवारवादी

पीएम मोदी ने कहा क ये परिवारवादी बरौनी की फैक्ट्री भी बंद कर रहे थे और यही श्रीराम मंदिर बनने से रोक रहे थे। परिवारवादी लोग ही भगवान राम को टेंट में रखना चाहते थे। पीएम मोदी ने कहा कि एक तरफ नया भारत बन रहा है, दूसरी ओर राजद, कांग्रेस और इनका इंडी गठबंधन, अभी भी 20वीं सदी की दुनिया में जी रहा है। राजग की सरकार कह रही है कि हम हर घर को सूर्यघर बनाना चाहते हैं।

मेरे लिए तो पूरा भारत ही मेरा घर

पीएम मोदी ने राजद प्रमुख लालू यादव द्वारा उनके परिवार को लेकर की गई एक टिप्पणी के मद्देनजर कहा कि आपके सामने वो व्यक्ति है, जिसने बहुत छोटी आयु में घर छोड़ दिया था। बिहार का कोई भी व्यक्ति किसी भी राज्य में रहे, लेकिन छठ पूजा पर, दीवाली पर घर जरूर लौटता है। मेरा कौनसा घर है, जहां मैं लौटूं? मेरे लिए तो पूरा भारत ही मेरा घर है, हर भारतवासी मेरा परिवार है. इसलिए आज हर भारतीय कह रहा है, हर गरीब और हर नौजवान कह रहा है - मैं हूं मोदी का परिवार। पीएम मोदी ने कहा, यह तो कर्पूरी ठाकुर, जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया और भीमराव अंबडेकर से भी पूछते कि उनका परिवार कहां है? क्योंकि इन्हें तो परिवार के अलावा कुछ दिखता भी नहीं।

BJP सरकार में शामिल होगी टिपरा मोथा!

इंफाल। मणिपुर में भाजपा अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य ने कहा कि त्रिपुरा की मुख्य विपक्षी पार्टी टिपरा मोथा लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होगी। उन्होंने बताया कि 60 सदस्यीय विधानसभा में टिपरा मोथा के 13 विधायक हैं। आगामी चुनाव के लिए उन्हें दो सीटें मिलने की संभावना है। गौरतलब है कि उनका यह बयान त्रिपुरा सरकार और केंद्र के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए जाने के कुछ दिनों बाद आया है। भट्टाचार्य ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा-आईपीएफटी गठबंधन सरकार में शामिल होने के लिए तैयार हैं। मंत्रियों के शपथ ग्रहण की तारीख अभी तय नहीं हुई है। फिलहाल मानिक साहा समेत सरकार में नौ मंत्री हैं। राज्य में सीएम समेत 12 मंत्री हो सकते हैं। इससे पहले टिपरा मोथा के प्रमुख प्रद्योत देबबर्मा ने बताया कि वह ग्रेटर टिपरा लैंड की मांग को नहीं छोड़ेंगे। समस्याओं के स्थाई समाधान पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में अपनी पार्टी, केंद्र और राज्य सरकार के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किया।

हाई कोर्ट के आदेश पर काफी मशक्कत के बाद सौंपा गया

शाहजहां शेख CBI की हिरासत में

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल पुलिस की अपराध अनुसंधान शाखा (सीआईडी) ने काफी मशक्कत के बाद संदेशखाली मामले में मुख्य आरोपी शाहजहां शेख की हिरासतम सीबीआई को सौंप दी। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के बाद हुई इस कार्रवाई में अदालत ने साफ किया है कि संदेशखाली मामले की जांच सीबीआई करेगी। सीबीआई ने इस मामले में तीन प्राथमिकी दर्ज की हैं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद बुधवार देर शाम केंद्रीय जांच ब्यूरो की टीम शाहजहां शेख को पुलिस मुख्यालय से लेकर रवाना हुई। हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की अगुवाई

वाली खंडपीठ ने मंगलवार को भी राज्य सीआइडी को शाहजहां को सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया था, लेकिन उसने मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन होने का हवाला देते हुए शाहजहां को केंद्रीय एजेंसी को नहीं सौंपा। इसके बाद ईडी ने अदालत की अवमानना की शिकायत करते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

हाई कोर्ट ने फिर दिया आदेश

ईडी की याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायाधीश हरीश टंडन और न्यायाधीश हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम की अगुवाई वाली खंडपीठ के आदेश को बरकरार रखते हुए बुधवार को सीआईडी को शाहजहां शेख को शाम 4:15 बजे तक सीबीआई को सौंपने का निर्देश दिया। इसके बाद सीबीआइ अधिकारी केंद्रीय बल के साथ सीआईडी मुख्यालय पहुंचे। ईएसआई अस्पताल में चिकित्सकीय परीक्षण के बाद सीआईडी ने शाहजहां को सीबीआई के हवाले कर दिया।

ओडिशा: भाजपा-BJD में गठबंधन की चर्चा भी तेज

नई दिल्ली। चुनावी मौसम में बन रहे नए नए गठबंधनों के बीच बीजू जनता दल और भाजपा के बीच गठजोड़ की खबरें भी जोर पकड़ गई है। बुधवार को बीजद के उपाध्यक्ष देबी प्रसाद मिश्रा के एक लिखित बयान के बाद तब अटकलें और तेज हो गई जब उन्होंने कहा कि 2036 में ओडिशा का सौ साल पूरा हो रहा है। बीजद और मुख्यमंत्री को बड़ी उपलब्धियां हासिल करनी है। इसीलिए पार्टी राज्य के हित के लिए सभी कदम उठाएगी। माना जा रहा है कि सब कुछ ठीक रहा और सीटों की संख्या को लेकर वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ी तो अगले एक दो दिनों में इसकी घोषणा हो जाएगी।

चुनाव आयोग की राहुल गांधी को सलाह

भविष्य में बयानबाजी में बरतें सावधानी

एजेंसी | नई दिल्ली

लोकसभा चुनावों को लेकर जारी गहमागहमी के बीच चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। आयोग ने उन्हें भविष्य में बयानबाजी में अधिक सतर्क रहने की सलाह दी है। आयोग ने राहुल गांधी द्वारा 'पनौती' और 'जेबकतरा'जैसे शब्दों के प्रयोग कर पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसने के मामले में यह संज्ञान लिया है।

सूत्रों के अनुसार 21 दिसंबर, 2023 के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश और राहुल गांधी के जवाब सहित प्रधानमंत्री के खिलाफ कुछ टिप्पणियों से संबंधित सभी तथ्यों पर विचार करने के बाद, चुनाव

आयोग ने राहुल गांधी को यह सलाह दी है। सूत्रों ने कहा कि चुनाव आयोग ने इस साल एक मार्च की अपनी सलाह दोहराई और कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान इसका गंभीरता से पालन किया जाना चाहिए। राहुल गांधी कांग्रेस के स्टार प्रचारक हैं। चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से सार्वजनिक बयान देते समय सभी दलों, स्टार प्रचारकों और उम्मीदवारों को आयोग की सलाह का ध्यान रखने को कहा है। चुनाव आयोग ने पिछले सप्ताह सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक प्रचार में मर्यादा और अत्यधिक संयम बनाए रखने और चुनाव प्रचार के स्तर को बढ़ाने के लिए एक सलाह जारी की थी।

सूत्रों ने कहा कि चुनाव आयोग आगामी चुनावों में समय और सामग्री के संदर्भ में दिए जाने वाले नोटिस पर फिर से काम करने के लिए उचित आधार के रूप में सलाह के अनुसार किसी भी अप्रत्यक्ष एमसीसी उल्लंघन का आकलन करेगा।

कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक आज, 100 सीटों पर लग सकती है मुहर

प्रियंका के रायबरेली और राहुल के अमेठी व वायनाड से चुनाव लड़ना तय!

एजेंसी | नई दिल्ली/लखनऊ

अगामी लोकसभा चुनाव को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया के साथ सीटों के बंटवारे पर जुटी कांग्रेस ने प्रत्याशी की घोषणा की तैयारी तेज कर दी है। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) की गुरुवार को बैठक होगी जिसमें 100 उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लग सकती है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश के अनुसार बैठक शाम छह बजे होगी। सूत्रों के अनुसार उत्तर प्रदेश में दो महत्वपूर्ण सीटों अमेठी और रायबरेली से गांधी परिवार के सदस्यों के ही चुनावी मैदान में उतरने का फैसला लगभग हो चुका है। प्रियंका गांधी रायबरेली और राहुल गांधी के अपनी पुरानी सीट अमेठी से चुनाव लड़ना तय माना जा रहा है।

राहुल गांधी के अमेठी के साथ केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव लड़ने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस नेताओं का मानना है कि अगर राहुल और प्रियंका अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ते हैं, तो इसका सियासी फायदा पार्टी को अन्य सीटों पर भी होगा।

कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच'एक्स' पर एक पोस्ट कर कहा, कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव

समिति की पहली बैठक 7 मार्च को शाम 6 बजे होगी। उल्लेखनीय है किसीईसी की बैठक में विभिन्न

स्कीनिंग कमेटी द्वारा भेजे गए पैनल में से उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लगाई जाती है।

राजस्थान समेत कई राज्यों पर स्क्रीनिंग कमेटी की हो चुकी है बैठक

राजस्थान, छत्तीसगढ़ और कुछ अन्य राज्यों के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हो चुकी हैं। सूत्रों का कहना है कि सीईसी की बैठक में करीब 100 लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों पर विचार होगा और प्रत्याशियों की पहली सूची कुछ दिनों के भीतर जारी हो सकती है।

सोनिया ने चिट्ठी लिख कर दिया था संकेत

कांग्रेस पार्टी से जुड़े सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के लिए उत्तर प्रदेश में सीटों का चयन तकरीबन तय हो गया है। सोनिया गांधी के चुनाव न लड़ने से खाली हुई रायबरेली की सीट पर प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने की बात तय हुई है। सूत्रों के मुताबिक सोनिया गांधी ने रायबरेली के लोगों को जो चिट्ठी लिखी थी, उसमें इशारों में जिसका जिक्र किया था, वो प्रियंका गांधी ही थीं। कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं के साथ प्रियंका गांधी की हुई व्यक्तिगत बैठकों में उनको रायबरेली से प्रत्याशी बनाने की बात कही जा चुकी है। हालांकि आधिकारिक तौर पर अभी इसका कोई एलान नहीं किया गया है। लेकिन चर्चा यही है कि गुरुवार को होने वाली चुनाव समिति की बैठक में प्रत्याशी चयन प्रक्रिया पर अंतिम मुहर लगेगी।

प्रियंका गांधी वाड्रा की चुनावी शुरुआत होगी

सूत्रों ने बताया कि प्रियंका गांधी वाड्रा उत्तर प्रदेश में पार्टी के गढ़ रायबरेली से चुनावी शुरुआत करेंगी। इस सीट से नेहरू-गांधी परिवार की दो पीढ़ियों का सीधा नाता रहा है। इस परिवार ने जिसे भी यहां से खड़ा किया उसने जीत का परचम फहराया। राहुल गांधी पिछली बार अमेठी में भाजपा नेता स्मृति ईरानी से चुनाव हार गए थे। लेकिन कांग्रेस के कई नेता राहुल गांधी के इसी सीट से चुनाव लड़ने की बात पर जोर दे रहे हैं। सूत्रों के अनुसार चुनाव समिति की बैठक में रायबरेली और अमेठी सीट पर प्रियंका और राहुल के नामों की घोषणा हो सकती है।

जरूरी खबर

बैंक धोखाधड़ी : अमेरिका से भारत लाया गया आरोपी

नई दिल्ली। बैंक धोखाधड़ी मामले से जुड़े एक आरोपी के खिलाफ जारी इंटरपोल रेड नोटिस होने के बाद उस अमेरिका में पकड़ा गया, जिसे भारत वापस लाया गया। अधिकारियों बताया कि 25 साल पुराने धोखाधड़ी मामले में आरोपी राजीव मेहता ने बैंक ड्रॉफ्ट को रोक लिया था, जिसके बाद आरोपी ने पैसा निकाल लिया था। गौरतलब है कि वर्ष 2000 से आरोपी मामले में फरार चल रहा था। अधिकारियों ने कहा कि ग्लोबल ऑपरेशंस सेंटर ने इंटरपोल चैनलों का इस्तेमाल करके नेशनल सेंट्रल ब्यूरो वाशिंगटन ने उसे अपने अधिकार क्षेत्र में ढूंढ लिया। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा कि इंटरपोल ने सीबीआई के अपील पर 16 जून 2000 को मेहता के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था।

हमले के दोषियों पर कार्रवाई करे पाकिस्तान

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका ने एक बार फिर पाकिस्तान से मुंबई और पठानकोट हमले के दोषियों को सजा दिलाने की मांग की है। आतंकवाद के खिलाफ सहयोग पर भारत व अमेरिका के बीच गठित संयुक्त कार्यदल की 20वीं बैठक मंगलवार को हुई। बैठक के बाद बुधवार जारी बयान में पाकिस्तान का नाम लिए बगैर वर्ष 2008 में मुंबई पर हुए आतंकी हमले और वर्ष 2016 में पठानकोट हमले के दोषियों को सजा दिलाने की बात कही गई है। अधिकारियों ने इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तरफ से अधिसूचित आतंकियों व आतंकी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग भी की गई है।

रूसी सेना में शामिल भारतीय की युद्ध में मौत

नई दिल्ली। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है। उसके पार्थिव शरीर को भारत लाने की कोशिश की जा रही है। खबर है कि नौकरी का झांसा देकर उसे रूसी सेना में शामिल किया गया था। मृतक शख्स हैदराबाद का रहने वाला था। उसकी पहचान तीस वर्षीय मोहम्मद अफसान के रूप में हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अफसान को पिछले साल दिसंबर माह में रूस की तरफ से सहायक भूमिका के लिए बुलाया गया था। हालांकि, जब वह वहां पहुंचे तो उन्हें जबरदस्ती रूसी सेना में शामिल कर दिया गया। इसके बाद से वह यूक्रेन के खिलाफ जारी जंग में लड़ रहे थे। भारतीय दूतावास के मुताबिक, मिशन भारतीय नागरिक के पार्थिव शरीर को भारत भेजने की कोशिश करेगा।

नौसैन्य कमांडरों का सम्मेलन और समुद्र में ताकत का प्रदर्शन

नई दिल्ली। नौसेना कमांडरों की कॉन्फ्रेंस मंगलवार को नौसेना के पोत पर शुरू हुई। इसके साथ नौसेना के दोनों विमानवाहक पोतों का अभ्यास भी शुरू हो हुआ जो भारत की बढ़ती नौसैन्य क्षमता का प्रतीक है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इनका उद्घाटन किया। सीडीएस जनरल अनिल चौहान,नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरिकुमार और रक्षा सचिव गिरधर अरमाने भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

हिमालय में ऊंचाई वाले स्थानों पर तैनात होगा NDRF

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के कर्मी हिमालय में ऊंचाई वाले स्थानों पर तैनात किए जाएंगेञ बल ने इसके लिए तैयारी शुरू करदी है। वे चीन से लगी एलएसी पर आइटीबीपी के सैनिकों के साथ लंबी दूरी की गश्त कर रहे हैं। एनडीआरएफ निदेशक अतुल करवाल ने बताया कि केंद्रीय आकस्मिक बल अग्रिम क्षेत्रों में तैनाम सीमा सुरक्षा बलों के साथ चर्चा कर रहा है।

इसका उद्देश्य बचावकर्मियों की छोटी टीम बनाना है और इन टीमों को चार राज्यों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और सिक्किम में सीमा सुरक्षा बल और सशस्त्र सीमा बल जैसे बलों की चौकियों पर तैनात किया जाएगा। इसके लिए आइटीबीपी और एसएसबी जैसे बलों से बातचीत की जा रही है।

लक्षद्वीप में नौसेना का नया बेस INS जटायु शुरू

हिंद महासागर में बढ़ेगी ताकत चीन-पाकिस्तान पर रहेगी नजर

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय नौसेना ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लक्षद्वीप द्वीपसमूह में सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने के लिए बुधवार को मिनिकाय द्वीप पर अपना नया बेस 'आईएनएस जटायु' शुरू किया। यह नौसेना की परिचालन क्षमताओं को बढ़ाएगा। इस नौसैनिक बेस से हिंद महासागर क्षेत्र में पाकिस्तान, चीन, मालदीव की गतिविधियों पर न केवल नजर रखी जा सकेगी, बल्कि समुद्री लुटेरों और ड्रग्स तस्करी पर भी लगाम कसने में मदद मिलेगी।

नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने बुधवार नए अड्डे की शुरुआत की। आईएनएस जटायु की शुरुआत के बाद उन्होंने कहा कि अड्डे का नाम रामायण के उस पात्र के नाम पर रखा गया है जिसने सीता के अपहरण को रोकने की कोशिश की थी। नौसेना अध्यक्ष ने कहा कि अंडमान में पूर्व में तैनात आईएनएस बाज और अब पश्चिम में आईएनएस जटायु हमारे आंख और कान के रूप में काम करेंगे। ज्ञात रहे कि मिनिकॉय में 1980 के दशक से ही भारतीय नौसेना की एक टुकड़ी थी, लेकिन आईएनएस जटायु को द्वीपसमूह में नौसेना का दूसरा पूर्ण अड्डा माना जाएगा-

आईएनएस जटायु की तैनाती से हिंदमहासागर में चीन की गतिविधियों पर नजर रखी जा सकेगी। साथ ही समुद्री लुटेरों पर जल्द से जल्द एक्शन लिया जा सकेगा। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लक्षद्वीप समूह में भारतीय नौसेना का यह कदम देश की सुरक्षा को मजबूती देगा।

निगरानी बढ़ना है जरूरी

नौसेना अध्यक्ष ने कहा कि मौजूदा बदलते भू-राजनीतिक घटनाक्रम के बीच निगरानी बढ़ाना बेहद जरूरी है। एक अधिकारी ने बताया कि आईएनएस जटायु की तैनाती से हमें क्षेत्र में विरोधियों की सैन्य और वाणिज्यिक गतिविधियों पर नजर रखने में मदद मिलेगी। लक्षद्वीप और मिनिकाय द्वीपों पर नौसैनिक और हवाई सुविधाओं के उन्नयन से बुनियादी ढांचे का उन्नयन भी होगा।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

राज्य के वित्तीय कुप्रबंधन से इकोनॉमी होती है प्रभावित

एजेंसी | नई दिल्ली

केरल सरकार से जुड़े एक मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों द्वारा राजकोषीय कुप्रबंधन एक बड़ा मुद्दा है, जिसको लेकर केंद्र को चिन्तित होना चाहिए क्योंकि ऐसे मुद्दे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं। साथ ही सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र और केरल सरकार को मतभेदों को दूर करने की सलाह दी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी तब सामने आई जब अदालत केरल सरकार द्वारा दायर एक मुकदमे की सुनवाई कर रही थी। जिसमें भारत सरकार पर उधार लेने की सीमा लगाकर राज्य के वित्त को विनियमित करने के लिए राज्य की शक्तियों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया था। जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने मुद्दे को सुलझाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि केंद्र और राज्य के बीच वार्ता सिर्फ इसलिए नहीं रुक जानी चाहिए कि याचिका अदालत में लंबित है।

अधिकारी एक साथ बैठें और मामले को हल करें

सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने कहा कि सभी वरिष्ठ अधिकारी निर्णय लेने में सक्षम हैं। मामले के समाधान के लिए एक साथ बैठें और इसे हल करें। केरल सरकार ने 19 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि 15 फरवरी को हुई बैठक विवादास्पद मुद्दे को सुलझाने में असफल रही। बुधवार को केरल सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि राज्य के पास इस मुद्दे पर आंदोलन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

केजरीवाल के खिलाफ ED की एक और शिकायत

केस चलाने की मांग, आज सुनवाई

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली की एक अदालत में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ एक नई शिकायत दर्ज कराई है। इस शिकायत में दिल्ली के कथित शराब घोटाले की जांच में बार-बार उसके समन को नजरअंदाज करने के लिए केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई है। यह शिकायत ऐसे वक्त में सामने आई है जब केजरीवाल ने आठवीं बार जांच एजेंसी के सामने पेश होने से इनकार कर दिया है। केजरीवाल ईडी के समन को अवैध और राजनीति से प्रेरित करार

देते रहे हैं। ईडी के एक अधिकारी ने बताया कि ताजा शिकायत राउज़ एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत के समक्ष दर्ज कराई गई है। केजरीवाल के खिलाफ जिन धाराओं के तहत ताजा शिकायत दर्ज की गई है, वे एक व्यक्ति को जारी किए गए समन का पालन नहीं करने से संबंधित है। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत मामले को गुरुवार को सुनने के लिए सूचीबद्ध किया है। इससे पहले एजेंसी ने 3 फरवरी को भी इसी तरह की शिकायत दर्ज कराई थी। अदालत ने उस समय शिकायत पर संज्ञान लिया था और केजरीवाल को तलब किया था।

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अदालत में हाजिर हुए थे। उन्होंने अदालत से मोहलत मांगी थी। अदालत ने केजरीवाल को 16 मार्च तक शारीरिक उपस्थिति से छूट दे दी थी।

मणिपुर: काम नहीं, तो वेतन नहीं नियम लागू

इंफाल। मणिपुर सरकार ने बुधवार को कार्यालय से बिना वैध और स्वीकृत कारणों से अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के लिए 'काम नहीं तो वेतन नहीं' का नियम पेश किया। कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग ने एक परिपत्र में कहा कि कई अधिकारी कार्यालयों में उपस्थित नहीं हो रहे हैं अथवा ड्यूटी पर नहीं आ रहे हैं। ऐसे में राज्य की मौजूदा कानून-व्यवस्था के कारण अपने सामान्य पोस्टिंग स्थानों पर उपस्थित होने में असमर्थ अधिकारियों को उपायुक्त, लाइन विभागों अथवा फील्ड स्तर के कार्यालयों से जोड़ा गया है।

युवा संसद समारोह: प्रतिभागी सम्मानित

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर बुधवार को नई दिल्ली में संविधान सदन में आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद समारोह-2024 के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

इसरो एक और ऐतिहासिक कामयाबी में जुटा

दो चरणों में लॉन्च होगा चंद्रयान-4 मिशन, लेकर आएगा मिट्टी के नमूने

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने चंद्रयान-3 मिशन की सफलता के बाद अब चंद्रयान-4 मिशन की तैयारी कर रहा है। खास बात ये है कि चंद्रयान-4 मिशन दो चरणों में लॉन्च किया जाएगा और चांद पर मानव मिशन भेजने के लिहाज से यह बेहद अहम होगा। चंद्रयान-4 मिशन न सिर्फ चांद की जमीन पर लैंड करेगा, बल्कि वहां से कुछ सैंपल लेकर धरती पर वापस भी लौटेगा। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने एक कार्यक्रम के दौरान बताया कि चंद्रयान-4 मिशन में पांच स्पेसक्राफ्ट मॉड्यूल शामिल किए

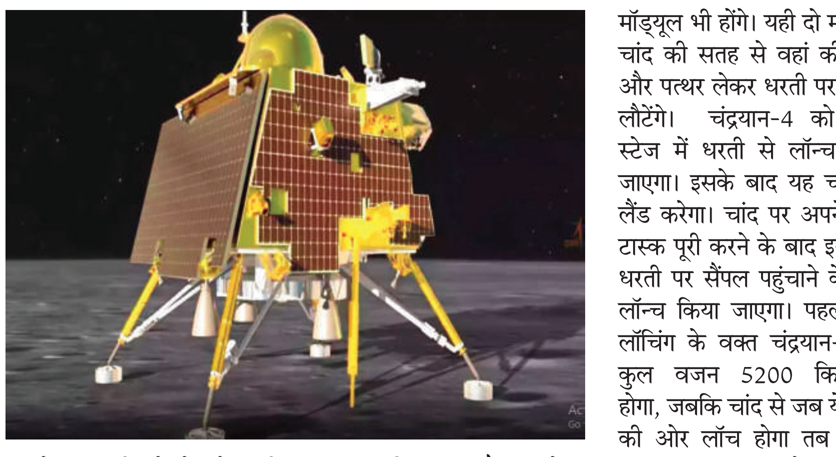

जाएंगे। साथ ही इसे दो रॉकेट की मदद से दो चरणों में लॉन्च किया जाएगा। चंद्रयान-4 में चंद्रयान-3 मिशन की तरह लैंडर, रोवर और प्रोपल्शन मॉड्यूल तो होंगे ही, इनके साथ ही दो अतिरिक्त मॉड्यूल भी होंगे। यही दो मॉड्यूल चांद की सतह से वहां की मिट्टी और पत्थर लेकर धरती पर वापस लौटेंगे। चंद्रयान-4 को पहले स्टेज में धरती से लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद यह चांद पर लैंड करेगा। चांद पर अपने सभी टास्क पूरी करने के बाद इसे फिर धरती पर सैंपल पहुंचाने के लिए लॉन्च किया जाएगा। पहली बार लॉचिंग के वक्त चंद्रयान-4 का कुल वजन 5200 किलोग्राम होगा, जबकि चांद से जब ये धरती की ओर लॉच होगा तब इसका वजन 1527 किलोग्राम रखा जाएगा, ताकि ये आसानी से धरती के ऑर्बिट में दाखिल हो सके।

एलवीएम-3 और पीएसएलवी दोनों रॉकेट का होगा इस्तेमाल

चंद्रयान-4 मिशन में इसरो अपने एलवीएम-3 और पीएसएलवी दोनों रॉकेट का इस्तेमाल करेगा। पहले एलवीएम-3 लॉन्च व्हीकल प्रोपल्शन मॉड्यूल, डिसेंडर मॉड्यूल और असेंडर मॉड्यूल को लेकर उड़ान भरेगा। इसके बाद ट्रांसफर मॉड्यूल और रि-एंट्री मॉड्यूल को लेकर पीएसएलवी लॉन्च किया जाएगा। इस मिशन को लेकर इसरो आने वाले दिनों में और ज्यादा जानकारी देगा।

ये पांच मॉड्यूल भेजे जाएंगे

1. प्रोपल्शन मॉड्यूल: ये चंद्रयान-3 की तरह ही होगा। प्रोपल्शन मॉड्यूल अलग होने से पहले चंद्रयान-4 को चंद्र कक्षा में मार्गदर्शन करेगा। रॉकेट से अलग होने के बाद धरती की ऑर्बिट से लेकर चांद की ऑर्बिट में एंट्री तक की जिम्मेदारी प्रोपल्शन मॉड्यूल की होगी।

2. डिसेंडर मॉड्यूल: यह मॉड्यूल चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर की तरह ही चंद्रमा पर लैंडिंग करेगा।

3. एसेंडर मॉड्यूल: एक बार जब सभी सैंपल कलेक्ट हो जाएंगे तो फिर एसेंडर मॉड्यूल लैंडर से बाहर निकल जाएगा और पृथ्वी पर लौटना शुरू कर देगा। नमूने इकट्ठे करने के बाद यह चंद्रमा की सतह से उड़ान भरने और ट्रांसफर मॉड्यूल के साथ धरती की ऑर्बिट तक पहुंचाने का काम इसी मॉड्यूल का होगा।

4. ट्रांसफर मॉड्यूल: यह एसेंडर मॉड्यूल को पकड़ने और इसे चांद की कक्षा से बाहर निकालने के लिए जिम्मेदार होगा। चट्टान और मिट्टी के नमूनों के साथ कैप्सूल के अलग होने से पहले यह पृथ्वी पर वापस आ जाएगा।

5. री-एंट्री मॉड्यूल: यह चांद की मिट्टी ले जाने वाला कैप्सूल होगा। चांद के नमूनों को धरती पर सफल लैंड करने की जिम्मेदारी री एंट्री मॉड्यूल की होगी।

पीपीएल: सियासी भारत को 9 विकेट से दी शिकस्त, खिताबी भिड़ंत आज सुबह 10 बजे

सच बेधड़क दूसरी बार फाइनल में

बेधड़क.जयपुर। प्रेस प्रीमियर लीग-2024 में 'सच बेधड़क' का विजय रथ जारी है, जिसके बल पर टीम लीग के फाइनल में प्रवेश कर गई। बुधवार को हुए सेमीफाइनल मुकाबले में 'सच बेधड़क' ने सियासी भारत को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बनाई। गौरतलब है कि लीग में 2023 में भी 'सच बेधड़क' फाइनल में पहुंची थी। अब पीपीएल-2024 का फाइनल मैच फर्स्ट इंडिया ब्लू और 'सच बेधड़क' के बीच गुरुवार सुबह 10 बजे के. एल. सैनी स्टेडियम में खेला जाएगा।

172 पर रोका सियासी को

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सियासी भारत की टीम ने मुकेश सैनी के 46 रन की मदद से 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 172 रन बनाए। सच बेधड़क के गेंदबाजों सागर कुमावत और जतिन ने 1-1 और दिलीप ने 2 विकेट झटके। इससे पहले सच बेधड़क ने टॉस जीतकर पहले फिल्डिंग करने का फैसला लिया, जो सही साबित हुआ। फाइनल मैच गुरुवार खेला जाएगा।

कार्तिक और शुभम ने ठोके 75-75 रन

173 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरे 'सच बेधड़क' के सलामी बल्लेबाजों ने शानदार शुरुआत दी और एक बार फिर सलामी जोड़ी कार्तिक और शुभम ने सामने वाली टीम के जीत के सपने को तोड़ दिया। दोनों ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 75-75 रन बनाते हुए सियासी भारत के हौसले पस्त कर दिए। कार्तिक ने इसके लिए 45 बॉल और शुभम पाटीदार ने 50 बॉल खेलीं। शुभम पाटीदार को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया।

एक दिन में हुए दो सेमीफाइनल

पीपीएल के तहत बुधवार को दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। पहला मैच नेशनल 11 बनाम फर्स्ट इंडिया ब्लू के बीच खेला गया, वहीं दूसरा सियासी भारत बनाम सच बेधड़क रहा। फर्स्ट इंडिया ब्लू ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 196 रन का टारगेट दिया। लक्ष्य का पीछे करने उतरी नेशनल इलेवन की टीम 20 ओवर में 160 रन तक ही पहुंच सकी।

मोटो क्रॉस चैलेंज का पोस्टर लॉन्च

बेधड़क. जयपुर। गुलाबी नगरी जयपुर में 9 मार्च को होने जा रहे एडवेंचर एंड स्पोर्ट्स टूर्नामेंट्स में से एक राजस्थान बाइक वीक-2024 मोटो क्रॉस चैलेंज का पोस्टर लॉन्च बुधवार को राजस्थान की उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी के ने किया। प्रतियोगिता के आयोजनकर्ता कहानवी, सोनल जांगिड़ और सुरेश जांगिड़ ने बताया, कि यह एडवेंचर एंड स्पोर्ट बेस्ड चैलेंज है। प्रतियोगिता में पूरे देश भर से 100 से अधिक राइडर्स हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में विजेताओं को 1 लाख रुपए तक के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। इस मोटो क्रॉस प्रतियोगिता का उद्देश्य सेफ राइड, सड़क सुरक्षा, नियमों की पालना करना, युवाओं को अधिक जागरूक बनाना और उनकी मेंटल हेल्थ को एक्टिव व अवेयर रखना है। पोस्टर विमोचन के अवसर पर रामसिंह, मनीष व टीम के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

'फूलों की होली' कार्यक्रम कल

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के तत्वावधान में फूलों की होली, चंग-ढप धमाल मस्ती रंगारंग फागोत्सव कार्यक्रम शुक्रवार को होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन व प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया, कि शाम 5 बजे से भट्टारकजी की नसियां के पीछे वाले लोन में आयोजित कार्यक्रम में समाज के श्रेष्ठीजन, जैन मंदिरों अध्यक्ष महामंत्री, युवा महासभा के प्रदेश, पांचों सम्भाग व 15 जोनों के पदाधिकारी की सहभागिता रहेगी। इस मौके पर समाजसेवी नन्द किशोर प्रमोद पहाडिया, सुधान्शु कासलीवाल, सुभाष जौहरी, उमराव मल संघी, नरेश मेहता, अजय गंगवाल, मुकेश शर्मा, कैलाश चन्द माणक चन्द रमेश ठोलिया, विनय सोगानी, अनिल जैन बनेठा, विनोद तिजारिया, धर्म चन्द पहाड़िया, पदम बिलाला, आलोक तिजारिया, शैलेन्द्र गोधा शामिल होंगे।

पेरीवाल को बनाया एम्बेसेडर

बेधड़क. जयपुर। नगर निगम जयपुर ग्रेटर की मेयर सौम्या गुर्जर द्वारा एजुकेशनिस्ट डॉ. जयश्री पेरीवाल को जयपुर में स्वच्छ भारत अभियान की एम्बेसेडर बनाया गया। डॉ. पेरीवाल ने सम्मान पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, कि मेरे लिए यह बहुत गर्व का विषय है। मुझे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह सिर्फ जयपुर ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण अभियान है। प्रयास रहेगा, कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक कर अभियान से जोड़ सकूं और शहर को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करूं। उन्होंने कहा कि हम सभी को साथ मिलकर शहर को साफ बनाना है। इसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने अपने स्कूल के बच्चों और शिक्षकों से अभियान में जुड़ने और स्वच्छता अभियान को कामयाब बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

City इवेंट्स

61 यूनिट ब्लड हुआ एकत्रित

बेधड़क. जयपुर। रजत एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन मानसरोवर जयपुर में किया गया। शिविर का आयोजन एसएमएस स्टेट कैंसर संस्था जयपुर के सहयोग हुआ। पैरामेडिकल छात्रों ने शिविर में भाग लिया और संस्था निदेशक डॉ. त्रिलोक जैन (सर्जन) ने छात्रों का उत्साहवर्धन कर रक्तदान कैंप की शुरुआत की। शिविर में कुल 61 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। दिनेश कुमार वर्मा जिन्होंने 129 बार रक्तदान किया है ने हौसला बढ़ाया। इस अवसर पर डॉ. आकांक्षा जैन, प्रमोद जैन, सुभाष लबानिया, निशा सैनी, प्रभा चौहान उपस्थित रहें।

इंडियन आइडल प्रतिभागी पीयूष का आज जयपुर में होगा वेलकम

बेधड़क. जयपुर। इंडियन आइडल प्रतिभागी पीयूष पवार का जयपुर में स्वागत और अभिनंदन किया जाएगा। सोनी टीवी का इंडियन आइडल प्रतिभागी सैकंड रनरअप पीयूष म्यूजिक में मास्टर राजस्थान यूनिवर्सिटी से कर रहे हैं। स्वागत यूनिवर्सिटी व म्यूजिक लवर करेंगे। गुरुवर को होने वाले प्रोग्राम में मुख्य अतिथि पंडित विष्णु मोहन भट्ट और डॉ. ललित के पवार रहेंगे।

गायकी से भगवान शिवजी का गुणगान

बेधड़क. जयपुर। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में जवाहर कला केन्द्र में भजन संध्या सुमिरन का आयोजन किया गया। कलाकार आशुतोष भट्ट के लिखे शिव भजन भोले शिव का लोकार्पण हुआ। भट्ट ने सुमधुर भजन रचनाओं में भगवान शिवजी का गुणगान किया। गणपति वंदना के साथ शुरू हुई संध्या में भट्ट ने स्वरचित भजन रचना राम है वो राम है... गाकर माहौल को राममय बना दिया। वहीं गिटार पर संजय माथुर, वायलिन पर मनभावन डांगी, तबले पर आशीष कुमार ने प्रभावी संगत की।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी हुईं शामिल

'उम्मीद-1000' में वंचित वर्ग की लड़कियों को दी साइकिल

बेधड़क | जयपुर

'उम्मीद 1000' के तहत बालिका शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में जयपुर में कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वंचित वर्ग की बालिकाओं को 400 साइकिलें दी गईं।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, गौरवी कुमारी और अन्य लोगों और आरबीएल बैंक के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में लड़कियों को साइकिलें दी तो वे रोमांचित हो गईं। भवानी निकेतन शिक्षा समिति में हुए कार्यक्रम में लाभार्थियों की पहचान बैंक द्वारा सीधे राजस्थान सरकार के सहयोग से की गई। बच्चों के स्कूल छोड़ने का एक बड़ा कारण घर से उनके स्कूल का दूर होना भी है। यह पहल शिक्षा तक पहुंच बढ़ाने के लिए परिवहन के साधन उपलब्ध कराने के लिए रही।

जयपुर, गुवाहाटी, पटियाला और नागपुर सहित पूरे भारत में 2000 से अधिक साइकिलें और स्कूल-किट वितरित किए जा रहे हैं। मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ आर सुब्रमण्यकुमार ने कहा, कि ''समुदाय को एक उद्देश्य के रूप में मानने के मिशन के अनुरूप, कार्यक्रमों के साथ समाज के वंचित वर्ग वाले समुदायों की मदद करने के लिए काम किया जा रहा है। 'उम्मीद 1000' से लड़कियों के जीवन में सार्थक बदलाव लाने और अधिक न्यायसंगत समाज की दिशा में योगदान करने का प्रयास है।

महिला दिवस: 21, 10 और 3 किमी की होगी दौड़

सर्वाइकल कैंसर संबंधी मैराथन 10 को... जागरूकता है लक्ष्य

बेधड़क | जयपुर

सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता के लिए कालवाड़ रोड स्थित चिरायु अस्पताल की ओर से महिला दिवस पर चैट शो का आयोजन किया जाएगा।

शो में मेडिकल डिपार्टमेंट के एक्सपर्ट भाग लेंगे और जानलेवा सर्वाइकल कैंसर के कारण, लक्षण, उपचार और टीकाकरण की जागरुकता पर चर्चा करेंगे। बुधवार को चैट शो का पोस्टर लॉन्च किया गया, जिसमें जयपुर रनर्स क्लब की अध्यक्ष डॉक्टर साधना आर्य, कोर टीम और अन्य सदस्य मौजूद रहे। इसी कड़ी में 10 मार्च को मैराथन का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें 5000 रनर्स के भाग लेने की उम्मीद है।

इसमें महिलाएं भी बड़ी संख्या में दौड़ लगाते हुए नजर आएंगी। डॉ. मंजु चौधरी, मोहित चौधरी और मुकेश मिश्रा ने बताया, कि हाफ मैराथन में 21 किमी. 10 किमी. और 'रन फॉर हर' में 3 किमी. रनिंग होगी। इससे पहले 9 मार्च को बिब डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी रखी गई है, जिसमें सभी प्रतिभागियों को बिब और टी-शर्ट प्रदान की जाएगी। मैराथन के लिए सोशल मीडिया पेज के जरिए रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है।

हाफ मैराथन के सभी विजेता को फिनिशर मैडल दिए जाएंगे। मैराथन के लिए #cervicalcancer #itspreventable कैंपेन चलाए जा रहे हैं।

कार्यक्रम | स्वामी बालमुकुन्दाचार्य ने किया महाकुंभ का पोस्टर विमोचन

वैशाली में 7 से 9 हनुमंत कथा, 10 मार्च को भजन संध्या

बेधड़क | जयपुर

वैशाली विकास व सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित श्याम महाकुंभ 2024 के पोस्टर का विमोचन हाथौज धाम के महन्त व हवा महल विधानसभा क्षेत्र के विधायक स्वामी बालमुकुन्दाचार्य व वैशाली विकास व सांस्कृतिक समिति अध्यक्ष रामस्वरूप झालाणी, संरक्षक पवन टांक, मिस इंडिया ग्लैम 2024 फर्स्ट रनरअप पायल दरियानी ने हाथोज बालाजी मन्दिर परिसर में किया।

हनुमंत कथा से होगी शुरुआत

श्याम महाकुंभ के संयोजक पवन टांक ने बताया, कि समिति के 23 वे वार्षिकोत्सव के तहत आयोजित 4 दिवसीय "श्याम महाकुंभ 2024" के आयोजन का शुभारंभ गुरुवार को वैशाली नगर स्थित मां वैष्णोदेवी मंदिर में श्रीहनुमंत कथा के साथ होगा। श्री हनुमंत कथा 7 से 9 मार्च को प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक होगी, जिसमें कथा वाचक अकिंचन अपनी रसमयी वाणी में कथा का रसपान भक्तों को कराएंगे। वहीं 10 मार्च को मुख्य आयोजन के रूप में विशाल श्याम भजन संध्या का आयोजन शाम 4 बजे से हरि इच्छा तक किया जाएगा, जिसमें देश भर के भजन गायक कुमार नरेंद्र, राहुल देव बसवाल, राकेश चौरसिया, नवीन शर्मा, कुमार हितेश, ओमप्रकाश ओराडा, नरेश गर्ग व गौरव अग्रवाल भजनों की प्रस्तुति देंगे। समिति के मंत्री नवल किशोर शर्मा ने बताया, कि भजन संध्या में फाग महोत्सव के तहत फूलों की होली का चगं की थाप पर विशेष आयोजन होगा, जिसमें नेशनल ब्यूटी पेजेंट मिस एंड मिसेज इंडिया ग्लैम की मॉडल्स श्रीराधा कृष्ण के रूप में श्याम महारास को साकार करेंगी। इस दौरान बड़ी संख्या में हर उम्र के भक्त जयपुर और आस-पास से शामिल होंगे। सभी के लिए प्रसादी का भी आयोजन किया जाएगा।

समय से भी ज्यादा महंगी भावनाएं होती है, जो समझे उसी पर खर्च करो।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

रिपब्लिकन पार्टी प्रत्याशी की दौड़ से निक्की हेली हुईं अलग

‘व्हाइट हाउस’ की दौड़ में बाइडेन के सामने होंगे ट्रंप!

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिका में रिपब्लिकन पार्टी से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार की दौड़ से निक्की हेली अलग हो रही हैं। फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, इस रेस में डोनाल्ड ट्रंप की सबसे मजबूत प्रतिद्वन्दी निक्की हेली ने अपना अभियान समाप्त करने का फैसला किया है। दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर और संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत निक्की हेली के इस फैसले के बाद डोनाल्ड ट्रंप का लगातार तीसरी बार रिपब्लिन कैंडिडेट के तौर पर अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद उम्मीदवारी के लिए चुनाव जारी हैं। राष्ट्रपति जो बाइडेन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को देश भर में राज्यव्यापी नामांकन प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की, जिससे दोनों उम्मीदवारों की कम लोकप्रियता रेटिंग के बावजूद नवंबर के आम चुनाव को लेकर एक ऐतिहासिक मुकाबला हुआ। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को कम से कम 11 सुपर ट्यूजडे राज्यों में रिपब्लिकन प्राथमिक प्रतियोगिताओं में जीतने का अनुमान है। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी से बाइडेन 14 राज्यों में जीते हैं। ट्रंप की प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली के मैदान से हटने से उनका रास्ता साफ हो गया है। सुपर ट्यूजडे को अमेरिका के कुछ राज्यों में मतदान बंद होने के साथ ही नतीजे सामने आने जारी हैं।

क्या है सुपर ट्यूज डे?

देखा जाए तो सुपर ट्यूजडे का संवैधानिक तौर पर कोई भी अर्थ नहीं होता है। लेकिन अगर बात करे इस शब्द के मतलब की तो इस दिन एक साथ कई राज्यों में प्राइमरी वोटिंग कराई जाती है। इस चुनाव को कराने के बाद अंदाजा लग जाता है कि किस पार्टी से कौन नवंबर में होने वाले चुनाव में पार्टी का प्रेसिडेंशियल कैंडिडेट होगा। अमेरिका में इस साल नवंबर में प्रेसिडेंशियल इलेक्शन यानी राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इसके पहले दोनों मुख्य पार्टियां डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन अपने-अपने उम्मीदवारों को चुन रही हैं और जिसे लेकर अलग-अलग राज्यों में वोटिंग हो रही है।

ट्रंप की दावेदारी लगभग तय

सुपर ट्यूजडे को यानी 5 मार्च को अमेरिका के 15 राज्यों में एक साथ रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव हुए। जिन राज्यों में मंगलवार को चुनाव हुए उनमें कैलिफोर्निया, टेक्सस, नॉर्थ कैरोलिना, टेनेसी, अलबामा, वर्जीनिया, ओक्लाहामा, अरकांसस, मैसाच्युसेट्स, उटाह, मिनेसोटा, कोलोराडो, मेन और वेर्मोन्ट शामिल हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दावेदारी जीतने के लिए 1,215 डेलिगेट्स का समर्थन जरूरी होता है। सुपर ट्यूजडे के नतीजों से पहले ही ट्रंप के पास 244 डेलिगेट्स का समर्थन था। अब 15 राज्यों में अगर ट्रंप क्लीन स्वीप करते हैं तो दावेदारी जीतना तय है।

नेपाल प्रधानमंत्री की सहयोगियों के साथ वार्ता बेनतीजा

खतरे में है ‘प्रचंड’ सरकार

एजेंसी | काठमांडू

नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड मंगलवार को सहयोगियों के साथ सत्ता साझेदारी समझौते पर सहमति बनाने में विफल रहे। उनकी सहयोगियों के साथ बातचीत बेनतीजा समाप्त हो गई। इससे नेपाली कांग्रेस के साथ नाटकीय तरीके से गठबंधन समाप्त करने के बाद प्रचंड सरकार की स्थिरता को लेकर अटकलें तेज हो गईं हैं।

प्रचंड ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के साथ नया गठबंधन बनाया है। संसद में संख्या बल के लिहाज से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अगुआई वाली यह पार्टी दूसरे नंबर की है। इसके बाद सीपीएन-यूएमएल से पदम गिरी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी केंद्र) से हित बहादुर तमांग और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) से डोल प्रसाद अर्याल ने शपथ ली। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सीपीएन-यूएमएल के चेयरमैन ओली, जनता समाजवादी पार्टी प्रमुख उपेंद्र यादव और आरएसपी अध्यक्ष रवि लामिछाने के साथ वार्ता की। हालांकि वार्ता बेनतीजा समाप्त हो गई। सीपीएन-यूएमएल के केंद्रीय सदस्य बिष्णु रिजाल ने बताया कि गठबंधन के सदस्यों के बीच मंगलवार शाम तक चर्चा चलने के कारण बुधवार तक कैबिनेट विस्तार पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि चारों पार्टियों के पास संसद में 142 सीटें है और यह बहुमत दिखाने के लिए पर्याप्त हैं।

इधर, चीन के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि बीजिंग सरकार नेपाल की नई सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। इससे नेपाल में हुए नए राजनीतिक बदलाव में बीजिंग का हाथ होने के अनुमान को बल मिला है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने बीजिंग में नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि चीन की नेपाल की नई सरकार के साथ काम करने की इच्छा है।

माओवादी उम्मीदवार का समर्थन करने पर सहमति

सोमवार को नया गठबंधन बनाने के बाद चारों दल, सीपीएन (माओवादी केंद्र), सीपीएन-यूएमएल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी और जनमत पार्टी आठ सूत्री समझौते पर पहुंचे। समझौते के अनुसार, चारों दल नेशनल असेंबली अध्यक्ष चुनाव में माओवादी सेंटर के उम्मीदवार का समर्थन करने पर सहमत हुए हैं और उपाध्यक्ष के लिए यूएमएल उम्मीदवार का समर्थन करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों के बीच सत्ता साझेदारी पर सहमति नहीं बन पाने के कारण प्रधानमंत्री ‘प्रचंड’ नई गठबंधन सरकार के गठन के 24 घंटे बाद भी कैबिनेट सदस्यों को मंत्री पद बांटने में विफल रहे। सीपीएन-यूएमएल के समर्थन से आनन-फानन में गठित हुए मंत्रिमंडल में प्रचंड ने गृह, रक्षा, विदेश और वित्त समेत 25 विभाग अपने पास रखे हैं।

44 साल पुराने मामले में बोला पाक सुप्रीम कोर्ट

भुट्टो को फांसी से पहले नहीं हुई निष्पक्ष सुनवाई

एजेंसी | इस्लामाबाद

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया कि पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो, जिन्हें 44 साल पहले हत्या का दोषी ठहराए जाने के बाद फांसी दी गई थी, को निष्पक्ष सुनवाई नहीं मिली। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के संस्थापक भुट्टो को 1979 में दिवंगत जनरल जिया-उल-हक के सैन्य शासन के तहत एक मुकदमे के बाद फांसी दे दी गई थी। पाक सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने कहा कि हमने नहीं पाया कि निष्पक्ष सुनवाई और उचित प्रक्रिया की आवश्यकताएं पूरी की गईं। भुट्टो जरदारी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारे परिवार ने इन शब्दों को सुनने के लिए तीन पीढ़ियों तक इंतजार किया। अदालत बाद में विस्तृत आदेश जारी करेगी।

धार्मिक चरमपंथियों को मिला समर्थन

लंदन स्थित राजनीतिक टिप्पणीकार और दिवंगत प्रधानमंत्री के करीबी सहयोगी यूसुफ नजर ने कहा कि यह जिया के मार्शल लॉ शासन के तहत न्याय के भारी गर्भपात की स्वीकारोक्ति है। अधिकार समूहों का कहना है कि हक की 11 साल की तानाशाही लोकतंत्र पर हमले, पीपीपी कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न, जेलिंग, विरोधियों और आलोचकों को सार्वजनिक रूप से कोड़े मारने से चिह्नित थी।

फ्लाइट बदली तो चुकाने पड़े 6.6 लाख

वॉशिंगटन। 75 वर्षीय टॉड और 60 वर्षीय पेट्रीसिया चार महीने का हॉलिडे मनाने के लिए बिजनेस क्लास फ्लाइट में न्यूयॉर्क से ऑकलैंड गए थे। तभी उन्हें पता चला कि उनकी पत्नी को कैंसर है जिसके कारण उन्हें वापिस लौटना था। वापिस लौटने के लिए उन्हें फ्लाइट चेंज करनी पड़ी जिसके लिए उन्हें एयरलाइन को 6.6 लाख रुपये का भुगतान करना पड़ा है।

काम भीख मांगने का... कमाई लाखों में

दुबई में पकड़े ‘सैलरीड’ भिखारी

एजेंसी | दुबई

अगली बार जब आपसे कोई बहुत ही गरीब आदमी भीख मांगता हुआ मिले तो तुरंत पिघल मत जाइएगा। हो सकता है वो आपसे भी अमीर हो। यही नहीं, इस काम के लिए उसे अच्छी खासी सैलरी भी मिल रही हो। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में तो ऐसा ही हो रहा है। दुबई पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। दोनों महिलाओं के पास से अलग-अलग 60000 दिरहम (13.5 लाख भारतीय रुपए) और 30000 दिरहम (6.7 लाख रुपए) नकदी बरामद किया है। महिलाओं ने ये सारी रकम भीख मांगकर इकठ्ठा की थी। इनमें से एक महिला सहानुभूति बटोरने के लिए अपने बच्चे का इस्तेमाल कर रही थी। दोनों महिलाएं विजिट वीजा पर संयुक्त अरब अमीरात में दाखिल हुई थीं। दुबई पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार भिखारियों में 99 प्रतिशत ऐसे हैं जिन्होंने भीख मांगने को ही पेशा बनाया है, उनकी ऐसी मजबूरी नहीं थी। जांच में पता चला कि ये भीख मांगने की नौकरी करते हैं जिसके लिए उन्हें सैलरी मिलती है।

चीन कर रहा है तैयारी

चांद पर जाएंगे ‘रीयूजेबल’ रॉकेट

एजेंसी | बीजिंग

अंतरिक्ष में चांद को लेकर एक बार फिर से रेस तेज हो गई है। अब चांद पर मानवमिशन भेजने को लेकर चीन एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इसके तहत उसकी अगले दो सालों 2025 और 2026 में दो रॉकेट भेजने तैयारी है। इसके लिए चीन जिन रॉकेट को भेजेगा, वे फिर से इस्तेमाल किए जा सकेंगे। चीन की सरकारी कंपनी चाइना एयरोस्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी कॉर्पोरेशन (सीएएससी) इन रॉकेट को तैयार कर रही है, जो चीन के नए मून मिशन का हिस्सा होंगे।

27 टन वजन की लॉन्चिंग में सक्षम होगा रॉकेटः सीएएससी की 2025 और 2026 में जिन दो रॉकेट को लॉन्च करने की योजना है, वे 4 और 5 मीटर व्यास के होंगे। चीन ने अभी इन रॉकेट को कोई नाम नहीं दिया है लेकिन स्पेस न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक 5 मीटर व्यास वाला रॉकेट लॉन्ग मार्च 10 की तरह होगा, जो एक सिंगल स्टिक वैरिएंट है, जिसका उपयोग नई पीढ़ी के क्रू अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की निचली कक्षा में लॉन्च करने के लिए किया जाएगा। इसके 2025 में उड़ान भरने की संभावना है। लॉन्ग मार्च 10 का मून वैरिएंट 92 मीटर लंबा होगा और 27 टन वजन को चांद की कक्षा में लॉन्च करने में सक्षम होगा। वहीं 4 मीटर व्यास वाली लॉन्चर के बारे में बताया गया है कि ये 6500 किलोग्राम तक के पेलोड को 700 किलोमीटर की कक्षा में लॉन्च करने में सक्षम होगा। ये चीन की योजना की गति बढ़ाएंगे।

चांद पर इंसान भेजने की तैयारी

दरअसल, चीन ने 2030 तक चांद पर अंतरिक्ष यात्रियों को भेजने का लक्ष्य रखा है। स्पेसन्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक इन दोनों रॉकेट को भेजा जाना चीन के लक्ष्य के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण होगा। इन दोनों रॉकेटों की खासियत ये है कि पहले भेजे गए चीन के दूसरे रॉकेटों के विपरीत ये पूरी तरह से पुनः इस्तेमाल किए जाने वाले होंगे। यानि भविष्य के मिशन के लिए उन्हें फिर से बनाने की जरूरत नहीं होगी। इसका मतलब है कि ये न केवल अधिक टिकाऊ होंगे बल्कि लागत में भी प्रभावी होंगे।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl